वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 | अंक: 293 | बुधवार 25 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

श्री ललिता महायज्ञ पूर्णाहुति एवं सरस्वती माता मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह, मुख्यमंत्री बोले

राजस्थान की धरा शौर्य, आस्था और भक्ति की त्रिवेणी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजनीति हो या अन्य कार्य, धर्म आवश्यक है, धर्म के अभाव में कोई भी कार्य ठीक से नहीं हो सकता। धर्म परायण होने पर ही सिद्धियां प्राप्त होती हैं और उसी से ही उत्कृष्ट समाज एवं राष्ट्र की स्थापना हो सकती है। सनातन परम्परा हमें धर्म पर चलते हुए सामाजिक एकता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरा शौर्य, आस्था और भक्ति की त्रिवेणी है, जहां साधु-संतों के आशीर्वाद से सनातन संस्कृति का पुनर्जागरण हो रहा है।

साधु-संतों के आशीर्वाद से सनातन संस्कृति का हो रहा पुनर्जागरण

देश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य में आया ऐतिहासिक परिवर्तन

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को बालोतरा के कनाना श्रीमठ में आयोजित श्री ललिता महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं मां सरस्वती मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाजिक एकता को सुदृढ़ करने के साथ ही आने वाली पीढ़ी को विरासत से जोड़ते हैं। मुख्यमंत्री ने बालोतरा के धार्मिक महत्व को बताते हुए कहा कि यहां के तीर्थ स्थल हमारी गौरवशाली संस्कृति के सजग प्रहरी हैं। वहीं, कनाना मठ की पवित्र भूमि अलौकिक ऊर्जा का संचार करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य में ऐतिहासिक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभु रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और उज्जैन में महाकाल महालोक के अलौकिक निर्माण सहित प्रसाद योजना के माध्यम से देशभर के प्रमुख तीर्थस्थलों के आधारभूत ढांचे और सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

आस्था की सेवा सबसे बड़ी जनसेवा

मुख्यमंत्री ने कहा कि आस्था की सेवा सबसे बड़ी जनसेवा है, इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में भी हमारी सरकार तीर्थ स्थलों के विकास कार्यों पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत बुजुर्गों को निःशुल्क तीर्थ दर्शन करवाए जा रहे हैं। साथ ही मुख्यमंत्री विकसित ग्राम एवं वार्ड योजना के तहत धार्मिक स्थलों का सुनियोजित विकास किया जा रहा है।

संस्कृति को संरक्षित करने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही

देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सनातन के लिए विशेष कार्य किए जा रहे हैं। इसी के तहत राजस्थान दिवस को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन मनाने की परंपरा शुरू की गई है। वहीं, मंदिरों के विकास और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान कनाना मठ के महंत परशुराम गिरी महाराज ने मुख्यमंत्री का अभिवादन करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में जनकल्याण के सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन अखण्ड भारत और सनातन संस्कृति की पहचान है। जहां कई देश युद्ध की ओर अग्रसर हैं, वहीं हम भारतीय समस्त विश्व की शांति के लिए कार्य कर रहे हैं। इससे पहले शर्मा ने पिछले एक वर्ष से चल रहे ललिता महायज्ञ में पूर्णाहुति दी। साथ ही, कार्यक्रम में देशभर से आए प्रमुख संत-महंतों का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। वहीं, महंत परशुराम गिरी महाराज ने मुख्यमंत्री को श्री यंत्र भेंट कर अभिनंदन किया। इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के.के. विश्नोई, विधायक हमीर सिंह भायल, महंत प्रतापपुरी, आदूराम मेघवाल, अरुण चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रमुख महंत, साधु-संत और आमजन मौजूद रहे।

यश विहार में श्रद्धा के रंग: गुरुणी यशकंवरजी की जयंती पर स्नेह मिलन और तपस्वियों का सम्मान

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

कोटा रोड स्थित यश विहार में मंगलवार को 'यश प्रोत्साहन महिला मंडल' द्वारा आयोजित 'होली स्नेह मिलन' कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और आपसी सौहार्द के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर महासाध्वी गुरुणी यशकंवरजी महाराज की जन्मजयंती को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उनके गुणों के सामूहिक गुणगान से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा।

धार्मिक अनुष्ठानों के साथ शुरूआत

कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल अध्यक्षा रेखा नानेचा, कार्याध्यक्षा नीता बाबेल एवं सुनीता गांधी के सानिध्य में हुआ। इस दौरान महामंत्र नवकार और 'यश चालीसा' का सामूहिक पाठ किया गया। मंडल की मंत्री राखी खमेसरा ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के बीच आपसी जुड़ाव, सांस्कृतिक मूल्यों और धार्मिक चेतना को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

तपस्वियों का बहुमान

समारोह का मुख्य आकर्षण वर्षीतप की कठिन साधना में लीन तपस्वी बहनों—लाड़ मेहता एवं मैना बाफना का सम्मान रहा। मुख्य अतिथि मंजू पोखरना, बलवीर देवी चौरड़िया, सुशीला सिंघवी और उमा आंचलिया सहित मंडल की स्नेहलता चौधरी, कांता सोनी, टीना बाफना, मंजू बाफना और अन्य सदस्यों ने तपस्वियों की अनुमोदना करते हुए उनका अभिनंदन किया। इस दौरान वक्ताओं ने जैन धर्म में तपस्या की महत्ता और इसके आध्यात्मिक प्रभाव पर प्रकाश डाला।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बिखरी छटा

मंडल की पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे संगम संस्कारों को मजबूत करने का

सशक्त माध्यम हैं। कार्यक्रम के समापन पर महिलाओं ने भक्ति भाव से ओतप्रोत होकर तप और आराधना से जुड़े गीतों पर सामूहिक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। स्नेह और उल्लास से भरे इस आयोजन ने समाज में एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखने का संदेश दिया।

प्रवक्ता: सुनील चपलोत
संस्था: यश गुरुणी प्रोत्साहन महिला मंडल, यश विहार, भीलवाड़ा

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी को चातुर्मास हेतु सीकर समाज ने भेंट किया श्रीफल

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजधानी के राणा जी की नसिया में ससंघ विराजित वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। इस क्रम में सोमवार को जयपुर और सीकर के जैन समाज के प्रतिनिधियों ने आचार्य श्री के चरणों में श्रीफल भेंट कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

चातुर्मास 2026 के लिए सीकर समाज का निवेदन

सीकर नगर से पधारे 50 से अधिक गुरुभक्तों ने आचार्य श्री को वर्ष 2026 के चातुर्मास हेतु सामूहिक रूप से श्रीफल भेंट किया। समाजजनों ने भक्तिभाव के साथ आचार्य श्री से सीकर नगर में वर्षा योग (चातुर्मास) करने का सविनय निवेदन किया, जिस पर आचार्य श्री ने सभी भक्तों को अपना मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

श्री महावीर जी कमेटी ने भी किया निवेदन

इससे पूर्व दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी प्रबंधकारिणी कमेटी के पदाधिकारियों ने भी आचार्य श्री से भेंट की। कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, सुभाष जैन, विवेक काला, सी.पी. जैन, सुरेश सबलावत और रुपिन काला सहित अन्य गणमान्य समाजजनों ने आचार्य श्री को संघ सहित नगर की हृदय स्थली जैन भट्टारक जी की नसिया आगमन हेतु श्रीफल भेंट कर ससंघ पधारने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि प्रतिदिन जयपुर सहित प्रदेश के विभिन्न नगरों से बड़ी संख्या में गुरुभक्त आचार्य श्री के दर्शन कर धर्म लाभ ले रहे हैं और उनके सान्निध्य में भक्ति की गंगा बह रही है।

श्री संभवनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव भक्तिभाव से संपन्न

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में मंगलवार को तृतीय तीर्थंकर श्री संभवनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावकों ने भाग लिया।

अभिषेक और शांतिधारा

प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव का शुभारंभ प्रातः काल भगवान शांतिनाथ एवं पार्श्वनाथ के अभिषेक के साथ हुआ। इसके पश्चात लक्ष्मीकांत जैन, अशोक कुमार पाटोदी, विनय कुमार जैन और राजेंद्र सोगानी ने मंत्रोच्चार के बीच भगवान की शांतिधारा की। शांतिधारा के दौरान समूचा वातावरण भक्तिमय हो गया।

निर्वाण लाडू का अर्पण

मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से निर्वाण कांड का पाठ किया। इसके उपरांत श्री संभवनाथ भगवान के चरणों में निर्वाण लाडू बड़े ही उत्साह और भक्ति भाव के साथ अर्पित किया गया। उपस्थित धमार्लुगणों ने भगवान की विशेष पूजा-अर्चना की और अर्घ्य समर्पित कर मंगल कामनाएं कीं। इस धार्मिक आयोजन में समाज के कई गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने भगवान की भक्ति में लीन होकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

प्रेषक: प्रकाश पाटनी प्रचार एवं संगठन मंत्री, भीलवाड़ा

जीएसटी एवं इनकम टैक्स के नए नियमों पर परिचर्चा सम्पन्न

जबलपुर. शाबाश इंडिया। सीए एसोसिएशन एवं टैक्स बार एसोसिएशन, जबलपुर के सहयोग से मध्यभारत के अग्रणी टैली पार्टनर पीसी प्लेनेट तथा टैली सॉल्यूशन्स प्रा. लि. के संयुक्त तत्वावधान में ''जीएसटी पर परिचर्चा'' का आयोजन सोमवार, 23 मार्च 2026 को होटल कृष्णा, भंवरताल गार्डन के सामने, जबलपुर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर शहर के अनेक प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट, कर अधिवक्ता, उद्योगपति एवं व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की गरिमामयी

उपस्थिति रही। परिचर्चा के दौरान Tally Prime 7.0 के नवीन फीचर्स, स्मार्ट बिजनेस ऑटोमेशन सॉल्यूशन्स तथा अकाउंटिंग एवं टैक्सेशन क्षेत्र में हो रहे आधुनिक तकनीकी नवाचारों पर विस्तृत जानकारी दी गई। टैली सॉल्यूशन्स के बिजनेस मैनेजर द्वारा टैली के माध्यम से जीएसटी एवं इनकम टैक्स नियमों का प्रभावी अनुपालन करते हुए सटीक रिटर्न फाइल करने की प्रक्रिया का लाइव डेमो प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित प्रतिभागियों ने अत्यंत उपयोगी बताया। इस अवसर पर वरिष्ठ सीए मनोज जैन ने 1 अप्रैल से लागू होने जा रहे इनकम टैक्स के नए नियमों की विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी दी, जिससे प्रतिभागियों को आगामी परिवर्तनों के लिए बेहतर तैयारी करने में सहायता मिलेगी। साथ ही, बदलते व्यावसायिक परिवेश एवं नई तकनीक के अनुरूप टैली को क्लाउड के साथ प्रभावी रूप से उपयोग करने के विषय में पीसी प्लेनेट के निदेशक नितिन जैन ने विस्तार से जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीए अखिलेश जैन (स्वतंत्र निदेशक, गेल इंडिया) उपस्थित रहे। इसके अलावा सीए चांदनी आहूजा (अध्यक्ष, सीए एसोसिएशन, जबलपुर), एडवोकेट शिविर नेमा (अध्यक्ष, टैक्स बार एसोसिएशन), वरिष्ठ कर सलाहकार गणेश नारायण पुरोहित, सीए प्रणव अग्रवाल, सीए तरुण पारवानी, सीए कैलाश अग्रवाल, एडवोकेट प्रितपाल सिंह, पंकज अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए पीसी प्लेनेट के निदेशक नितिन जैन ने बताया कि इस प्रकार की परिचर्चाएं व्यवसायों को बदलते कर नियमों के अनुरूप सक्षम, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह परिचर्चा संस्कारधानी के चार्टर्ड अकाउंटेंट, टैक्स प्रैक्टिशनर, अकाउंटेंट एवं व्यापारिक संस्थानों के प्रतिनिधियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुई।

'केकड़ा बुद्धि' त्यागकर संगठन की शक्ति को अपनाए समाज: आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, भीलवाड़ा में ससंघ विराजमान भारत गौरव आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए एकता और संगठन का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता में निहित है, जो सभी के लिए प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है।

घड़ी के कांटों से दी सीख

माताजी ने घड़ी का उदाहरण देते हुए कहा, घड़ी के तीन कांटे होते हैं–एक तीव्र, एक मध्यम और एक मंद गति से चलता है। समाज में भी इसी प्रकार के भिन्न स्वभाव वाले लोग होते हैं, लेकिन जब ये तीनों एक सूत्र में बंधकर चलते हैं, तभी सही समय (परिणाम) दे पाते हैं। बंद मुट्ठी संगठन का प्रतीक है। इसीलिए कहा गया है–'बंद मुट्ठी लाख की, खुली मुट्ठी खाक की'।

'केकड़ा बुद्धि' पर प्रहार

प्रवचन के दौरान माताजी ने एक दृष्टांत साझा किया। उन्होंने बताया कि एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सभी देशों के लोग अपने केकड़ों को बंद संदूकों में लाए थे, लेकिन भारत का संदूक खुला था। जब लोगों ने इसका कारण पूछा, तो बताया गया कि भारतीय केकड़ों की यह विशेषता है कि यदि एक ऊपर चढ़ने की कोशिश करता है, तो दूसरा उसे नीचे खींच लेता है। माताजी ने कहा, आज समाज में भी यही 'केकड़ा बुद्धि' हावी है। यदि कोई तरक्की करता है, तो उसे नीचे गिराने वाले अनेक लोग तैयार हो जाते हैं। ऐसी बुद्धि वास्तव में 'दुर्बुद्धि' है। हमें इस प्रवृत्ति को त्यागकर एक-दूसरे का हाथ पकड़कर ऊपर उठना चाहिए।

29 मार्च को होगा 'जिनसहस्त्रनाम महामंडल विधान'

प्रचार संयोजक प्रतीक जैन सेठी ने जानकारी देते हुए बताया कि परम पूज्य 108 अरह सागर जी महाराज, 108 मुनि सुहित सागर जी महाराज एवं आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के पावन सानिध्य में आगामी 29 मार्च 2026 को प्रातः 6:00 बजे भव्य 'जिनसहस्त्रनाम महामंडल विधान' का आयोजन होगा। इस महा-अनुष्ठान में 24 पांडुशिलाओं, 24 विधानों और 24 हवन कुंडों की रचना की जाएगी। इस दौरान 24 पुण्यर्जक परिवारों द्वारा 1008 मंत्रों के साथ आहुतियां दी जाएंगी। समाज के सभी वर्गों में इस आयोजन को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है।

अहिंसा के रंगों से महका मल्लिनाथ देशना मंडप, भक्ति गीतों से गुंजायमान हुआ शिवाजीनगर

छत्रपति संभाजीनगर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में सकल जैन समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में उत्साह और भक्ति का संगम देखने को मिला। देशमुखनगर में जहाँ रंगोली के माध्यम से 'अहिंसा परमो धर्म' का संदेश दिया गया, वहीं शिवाजीनगर में भक्ति गीतों ने वातावरण को धर्ममय बना दिया। देशमुखनगर स्थित मल्लिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के मल्लिनाथ देशना मंडप में भव्य रंगोली प्रतियोगिता संपन्न हुई। भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति एवं महिला सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में आयोजित इस स्पर्धा में महिलाओं और बालिकाओं ने अपनी

कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में एक प्रतिभागी द्वारा उकेरी गई नीले रंग के हाथी की थ्री-डी इफेक्ट वाली रंगोली विशेष आकर्षण का केंद्र रही। प्रतिभागियों ने भगवान महावीर के चित्रों और जैन दर्शन के प्रतीकों को रंगों के माध्यम से खूबसूरती से उतारा। इस आयोजन को सफल बनाने में मल्लिनाथ महिला समिति की शीला रावका, वैशाली छाबड़ा, रूपाली लोहाडे, निधि रावका और उनकी टीम ने विशेष परिश्रम किया।

शिवाजीनगर स्थित शांतिनाथ सैतवाल दिगंबर जैन मंदिर में भक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक लगभग 50 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने महावीर तेरे बंदे हम..., कभी वीर बनके, महावीर बनके... और मराठी गीत माझ्या स्वप्नात आले भगवंत जैसे भजनों की मधुर प्रस्तुतियां दीं। प्रतियोगिता में प्रशांत अन्नदाते एवं स्वाती साहुजी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में उन्नति महिला मंडल की अध्यक्ष भारती संघवी, अमृता घोडके, आरती महेंद्रकर और पूरी टीम का सराहनीय योगदान रहा।

प्रचार-प्रसार संयोजक:
नरेंद्र अजमेरा एवं पियुष कासलीवाल (औरंगाबाद)

अंतर्राष्ट्रीय

तेज होती हथियारों की होड़

ललित गर्ग

आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौती सीमाओं पर लड़े जाने वाले युद्ध नहीं, बल्कि उनके व्यापक वैश्विक प्रभाव हैं। हथियारों की तेज होती होड़ ने विश्व व्यवस्था को अस्थिर कर दिया है, जिसका सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण और सामाजिक स्थिरता पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया में ईरान-इजरायल तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान के बीच बढ़ती तल्खी यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर शक्ति संतुलन की खतरनाक राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल सामरिक नहीं, बल्कि एक गहरे मानवीय संकट का भी संकेत है। आज लगभग हर राष्ट्र अपनी सुरक्षा के नाम पर सैन्य बजट बढ़ा रहा है और आधुनिकतम हथियार जुटा रहा है। विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह होड़ वास्तव में अविश्वास की उपज है। एक देश का सैन्य विस्तार दूसरे में भय पैदा करता है, जिससे अविश्वास का ऐसा वातावरण बनता है जो अंततः युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, भविष्य में सैन्य खर्च का एक बड़ा हिस्सा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारियों में खर्च होगा, जो सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है। यदि यहाँ संघर्ष लंबा खिंचता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं, तो इसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ेगा। तेल और गैस की कीमतों में उछाल से परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ेगी, जिससे वैश्विक महंगाई का एक नया दौर शुरू हो सकता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर हैं, इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते। इसी खतरे को भांपते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपात बैठकें कर ऊर्जा आपूर्ति और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इतिहास गवाह है कि युद्ध शुरू करना आसान है, लेकिन उसे रोकना अत्यंत कठिन। कई संघर्ष जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए, वे वर्षों तक खिंच गए और पीढ़ियों को बर्बाद कर दिया।

संपादकीय

सार्वजनिक स्वास्थ्य और सभ्यतागत मूल्यों का संगम

हाल ही में विश्व जल दिवस के अवसर पर 'ग्लोबल साइंस एकेडमी' ने जल संरक्षण के अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को एक नई दिशा प्रदान की है। संस्था ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, लैंगिक न्याय और मानवीय सभ्यता के मूल्यों को समुद्री कानूनों से जोड़कर एक अभूतपूर्व विमर्श की शुरूआत की है। इस अवसर पर 'समुद्री दशक सम्मेलन' की डिजिटल कार्यवाहियों का भी विमोचन किया गया, जिसे भारत और दक्षिण एशिया की समुद्री रणनीति में एक बड़े परिवर्तनकारी बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। यह आयोजन अपनी प्रकृति में विशिष्ट रहा, क्योंकि इसकी चर्चा ईद के बाद के सांस्कृतिक विमर्श और चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व के दौरान आयोजित की गई। इस संगम ने पारंपरिक आर्थिक और रणनीतिक विमर्श से ऊपर उठकर समुद्री कानून-2026, सार्वजनिक स्वास्थ्य और मानवीय सुरक्षा के बीच के गहरे अंतर्संबंधों को रेखांकित किया। सत्र की अध्यक्षता करते हुए ग्लोबल साइंस एकेडमी के संस्थापक निदेशक और मुंसिफ टीवी के ब्यूरो प्रमुख डॉ. अनिल प्रताप सिंह ने जल को केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि एक 'मौलिक सभ्यतागत मूल्य' के रूप में परिभाषित किया। ऋग्वेद के श्लोकों और महात्मा गांधी के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए डॉ. सिंह ने जोर दिया कि राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से परे जैव विविधता समझौते का क्रियान्वयन पूर्णतः समानता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि तटीय शासन बीमारियों, विस्थापन और शोषण की जमीनी हकीकतों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि 'समुद्री विधवाओं' से लेकर हाशिए पर खड़े मछुआरा समुदायों की आवाज वैश्विक पटल पर दर्ज हो। कार्यक्रम में संस्था की भविष्य की दिशा तय करने के लिए छह प्रमुख स्तंभों पर प्रकाश डाला गया। डॉ. शिल्पा नंदी और डॉ. सतरूपा पाल ने समुद्री त्रासदियों के बाद कानूनी खामियों के कारण महिलाओं की आर्थिक अदृश्यता और मानव तस्करी के प्रति उनकी संवेदनशीलता पर चिंता जताई। प्रजनन स्वास्थ्य और देखभालः डॉ. तुलिका चक्रवर्ती और डॉ. पत्राली सिन्हा ने मछली पकड़ने वाले समुदायों में संक्रमण संबंधी देखभाल और प्रजनन स्वास्थ्य की गंभीर कमियों को दूर करने के व्यावहारिक उपाय सुझाए। सामुदायिक शासनः डॉ. सोमीरन दास और डॉ. सोमनाथ भट्टाचार्य ने टिकाऊ प्रबंधन के लिए सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य और समुदाय-संचालित समाधानों पर जोर दिया। तटीय पर्यटन के जोखिमः डॉ. सतरूपा पाल और डॉ. शिल्पा नंदी के शोध ने अनियंत्रित तटीय पर्यटन से जुड़े स्वास्थ्य और सुरक्षा खतरों के प्रति आगाह किया। राष्ट्रीय सुरक्षा और तस्करीः डॉ. आलोक राय और डॉ. सोमीरन दास ने राष्ट्रीय सुरक्षा निगरानी को मानव तस्करी और अवैध मछली पकड़ने के तंत्र के खिलाफ एक सक्रिय लड़ाई के रूप में जोड़ने का प्रस्ताव दिया। वैश्विक दृष्टिकोणः कनाडा से जुड़े डॉ. अवनीश जॉली ने जल शासन में स्वदेशी ज्ञान को एकीकृत करने वाले मॉडल को दक्षिण एशियाई प्रणालियों के लिए मार्गदर्शक बताया। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आडंबर से दूर, आदर्शों के प्रति समर्पित

निलय श्रीवास्तव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और उनके राजनीतिक मूल्यों ने विश्व भर में सेवा का एक नया मानक स्थापित किया है। उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज प्रदेश के विकास की नई पटकथा लिख रहे हैं। 'जड़ और जमीन' से गहरा नाता रखने वाले डॉ. यादव ने अपनी दूरदर्शी सोच, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और सरल-सौम्य व्यक्तित्व से बहुत कम समय में जन-जन का विश्वास अर्जित कर लिया है। उनकी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और अटूट आत्मविश्वास झलकता है, जिससे प्रदेशवासियों को अपना भविष्य सुरक्षित नजर आ रहा है। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश 'स्वर्णिम मध्य प्रदेश' के सपने को साकार करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। मुख्यमंत्री का दायित्व संभालने के बाद से उन्होंने सस्ती लोकप्रियता के बजाय ठोस शासन को प्राथमिकता दी। उन्होंने कई ऐसे साहसिक और कड़े फैसले लिए, जिन पर पूर्ववर्ती सरकारें केवल विचार ही करती रह गई थीं। जहां अन्य नेता अक्सर अपनी कुर्सी और राजनीतिक नफा-नुकसान की चिंता में डूबे रहे, वहीं डॉ. यादव ने सामान्य व्यक्ति के हितों को सर्वोपरि रखा। उनके आलोचकों को भी अब उनकी कार्यक्षमता का लोहा मानना पड़ रहा है। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन डॉ. मोहन यादव की जन्मस्थली भी है और कर्मस्थली भी। 25 मार्च 1965 को एक कृषक परिवार में जन्मे मोहन यादव छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की विचारधारा और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से सक्रिय रूप से जुड़े रहे। वर्ष 2004 के सिंहस्थ आयोजन में मिली बड़ी जिम्मेदारी ने उनकी सांगठनिक क्षमता को निखारा। इसके पश्चात उज्जैन विकास प्राधिकरण और मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष के रूप में उनकी कार्यशैली मील का पत्थर साबित हुई। वर्ष 2013 में पहली बार विधायक और 2020 में उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में कई क्रांतिकारी नवाचार किए। उनकी बढ़ती सक्रियता और संगठन के प्रति निष्ठा का ही परिणाम था कि 2023 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के बाद उन्हें प्रदेश की कमान सौंपी गई।

जनकल्याण और स्वर्णिम भविष्य की ओर

एक मुख्यमंत्री के रूप में डॉ. यादव की कर्तव्यपरायणता के सुखद परिणाम अब धरातल पर दिखने लगे हैं। महिला सशक्तिकरण उनके शासन का मुख्य केंद्र बिंदु है, जिसका प्रमाण बजट में आवंटित भारी धनराशि और 'लाड़ली बहना' जैसी योजनाओं का सुदृढ़ीकरण है। इसके साथ ही, युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए शिक्षा और खेल कार्यक्रमों को नया विस्तार दिया गया है। कृषि प्रधान प्रदेश होने के नाते उन्होंने अन्नदाताओं की समृद्धि के लिए सरकारी खजाने के द्वार खोल दिए हैं।

सादगी और सुशासन का समन्वय

डॉ. मोहन यादव की सबसे बड़ी विशेषता उनका 'लीक से हटकर' काम करना और आडंबरों से दूर रहना है। उनमें किसी प्रकार का राजनीतिक ढकोसला नहीं है; उनकी सहजता मध्य प्रदेश से लेकर दिल्ली तक सबको प्रभावित करती है। वे दिन-रात कठिन परिश्रम करते हैं ताकि प्रदेश की आठ करोड़ जनता के जीवन में खुशहाली आए।

'आदिनाथ से महावीर-घर-घर मंगलाचार'

48 दीपों से महका दुर्गापुरा दिगम्बर जैन मंदिर

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप 'तीर्थंकर' एवं 'त्रिशला संभाग' (दुर्गापुरा) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'आदिनाथ से महावीरः घर-घर मंगलाचार' कार्यक्रम श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। दिगम्बर जैन मंदिर श्री चंद्रप्रभ, दुर्गापुरा में आयोजित इस भक्तिमय संध्या ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत नवकार मंत्र के सामूहिक जाप और मधुर स्वर में माला वाचन के साथ हुई। समारोह का मुख्य आकर्षण भक्तामर मंडल विधान रहा, जिसमें दुर्गापुरा और आसपास के क्षेत्रों से आए श्रावकों ने 48 दीपकों के साथ श्रद्धापूर्वक दीपदान किया। त्रिशला संभाग की संरक्षक श्रीमती चंदा सेठी एवं श्रीमती रेणु पांड्या की विशेष प्रेरणा व सहयोग से यह आयोजन संभव हो सका।

पालना उत्सव और सामूहिक आरती

भजन-कीर्तन के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान का पालना झुलाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम के अंत में भक्तामर स्तोत्र की महिमा पर प्रकाश डाला गया, जिसके पश्चात भव्य सामूहिक आरती हुई। आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने में श्रीमती सुरबाला, डॉ. मनीष जैन मणि, कैलाश चंद्र सौगाणी और अशोक कासलीवाल का सराहनीय योगदान रहा।

आभार प्रदर्शन

अंत में तीर्थंकर ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जैन मणि एवं आज की कार्यक्रम संयोजक डॉ. शांति जैन मणि ने पधारे हुए सभी श्रावक-श्राविकाओं का आभार व्यक्त किया। आयोजन में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था, जिससे समूचा मंदिर परिसर भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।

मिस एथेरियल राजस्थान इंटरनेशनल 2026 के ऑडिशन शुरू

जयपुर में बिखरा बॉलीवुड ग्लैम का जादू

जयपुर. शाबाश इंडिया

कला के क्षेत्र में प्रतिष्ठित संस्थान 'कलांकित' (ब्रिंगिंग आर्ट अलाइव) द्वारा आयोजित 'मिस एथेरियल राजस्थान इंटरनेशनल 2026' के प्रथम चरण के ऑडिशन आमेर रोड स्थित होटल जयपुर हेरिटेज में सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इस अवसर पर 'बॉलीवुड ग्लैम फैशन शो' सीजन-2 का भी भव्य आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान की उभरती प्रतिभाओं ने अपना जलवा बिखेरा।

दिग्गज हस्तियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

मुख्य आयोजक बसंत जैन ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में होटल जयपुर हेरिटेज की संचिता गुप्ता, निम्स यूनिवर्सिटी की मैनेजिंग डायरेक्टर शोभा तोमर और रील के पूर्व एमडी श्री ए.के. जैन उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में शो के मुख्य सलाहकार सीए अनुराग अग्रवाल, कैड सेंटर के चेयरमैन राजीव भार्गव, जय श्री ज्वेलरी के यश जैन, भारतीय जैन संगठना के अध्यक्ष सुनील कोठारी, यू पी एल क्रिकेट लीग के चेयरमैन विनीत छाबड़ा, लायंस क्लब के विमल बज, रमेश जैन और प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल गुरु डॉ. पी.एम. भारद्वाज सहित कई गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए। बॉलीवुड ग्लैम के आदित्य सिंह के अनुसार, इस ऑडिशन और फैशन शो में प्रदेश भर से आए प्रसिद्ध डिजाइनरों के

70 से अधिक मॉडल्स ने रैंप पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि संचिता गुप्ता और शोभा तोमर ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि छोटे शहरों की युवतियों को ट्रेनिंग देकर उन्हें मॉडलिंग और फिल्मों के लिए प्रेरित करना एक बड़ी उपलब्धि है। मोटिवेशनल गुरु डॉ. पी.एम. भारद्वाज ने कहा कि मुंबई और दिल्ली के बाद जयपुर अब फैशन इंडस्ट्री का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। यहाँ न केवल राजस्थान, बल्कि राज्य के बाहर की लड़कियां भी बढ़-चढ़कर भाग ले रही हैं।

ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देना मुख्य उद्देश्य

सरस्वती प्रिंटिंग इंडस्ट्रीज व 'कलांकित' के चेयरमैन बसंत जैन ने बताया कि उनकी कंपनी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे कस्बों की प्रतिभाओं को तराशना है। उन्हें फैशन, फिल्म, टीवी और मीडिया जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना ही संस्था का लक्ष्य है। ऑडिशन में भीलवाड़ा, विजयनगर, अजमेर और उदयपुर सहित पूरे राजस्थान से मॉडल्स ने हिस्सा लिया, जिनमें से सेमीफाइनल के लिए चयन किया जाएगा।

आगामी चरण और फिनाले

मुख्य समन्वयक नरेंद्र उपाध्याय ने जानकारी दी कि अप्रैल माह में अजमेर और कोटा जैसे शहरों में भी ऑडिशन आयोजित किए जाएंगे। इसके पश्चात जूरी के माध्यम से फिनाले के लिए शीर्ष 30 मॉडल्स का चयन होगा। प्रतियोगिता का भव्य फिनाले अप्रैल-मई में किसी बड़े रिसॉर्ट या होटल में आयोजित किया

महावीर और हम: वैचारिक यात्रा में गूंजे युवाओं के स्वर, बच्चों ने संवाद से जीतीं खुशियां

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर, जनकपुरी (ज्योति नगर) में मंगलवार को एक नई ऊर्जा और उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। अवसर था बच्चों और युवाओं के लिए आयोजित भाषण प्रतियोगिता के सेमीफाइनल (तृतीय चरण) का, जहाँ नई पीढ़ी ने भगवान महावीर के सिद्धांतों को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया।

संस्कारों से जुड़ने की अनूठी पहल

सकल दिगम्बर जैन समाज, जनकपुरी एवं राजस्थान जैन सभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' के संदेश को युवाओं तक पहुँचाना था। अर्हम श्रीमाताजी के पावन सानिध्य में आयोजित इस स्पर्धा में 10 से 25 वर्ष के 53 प्रतिभागियों ने 'समाज में बढ़ता अकेलापन' और 'शारीरिक स्वास्थ्य में उपवास की भूमिका' जैसे विषयों पर अपने विचार रखे।

प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन

कार्यक्रम संयोजक नवल जैन ने बताया कि समारोह का शुभारंभ पदम जी बिलाला, पुष्पा जी, पारस जी और दीपिका बिलाला परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्रतिभागियों के आत्मविश्वास और ज्ञान की छटा ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 25 प्रतिभागियों ने फाइनल (अंतिम चरण) मुकाबले में अपनी जगह पक्की की।

अतिथियों का मार्गदर्शन

कार्यक्रम में राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष जैन, महासचिव मनीष वेद, राजेश काला, अनिल छाबड़ा, नवीन जैन, अजय जैन और उर्मिला जैन सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इन सभी का स्वागत बुद्धि प्रकाश जैन, देवेंद्र काशलीवाल, ज्ञान जी और राजेंद्र ठोलिया ने किया। अतिथियों ने इस आयोजन को युवाओं की अभिव्यक्ति और समाज की मजबूती के लिए एक सकारात्मक कदम बताया।

सम्मान और आभार

मंच का कुशल संचालन डॉ. इन्द्र कुमार जैन ने किया। निर्णायकों ने प्रस्तुति और विचारों की मौलिकता के आधार पर निष्पक्ष निर्णय दिए। अंत में बिलाला परिवार द्वारा सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। मुख्य संयोजिका राखी जैन ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं को उनके मूल्यों और संस्कारों से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम साबित हुआ है।

गांधीधाम में शहीदों को दी भावपूर्ण स्वरांजलि

“एक शाम शहीदों के नाम” का भव्य आयोजन

गांधीधाम. शाबाश इंडिया। शहीद दिवस की पूर्व संध्या पर भारत विकास परिषद द्वारा स्थानीय प्रभुदर्शन स्थल पर “एक शाम शहीदों के नाम” कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। बीएसएफ जवानों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम ने दर्शकों को देशभक्ति के जोश से भर दिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जगाया राष्ट्रप्रेम

कार्यक्रम का शुभारंभ नादस्वरम संगीत विद्यालय द्वारा प्रस्तुत 'वंदे मातरम' से हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रमेश महेश्वरी, मधुकांत शाह और परिषद के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन कर शहीदों को नमन किया। ट्रस्टी कन्हैयालाल भावनानी ने सभी का स्वागत किया। इसके पश्चात रूपल राजदे के नेतृत्व में महिला शाखा द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति नृत्य ने सभी का मन मोह लिया।

गीतों और कविताओं से दी श्रद्धांजलि

डॉ. चेतन वोरा, गायक भारतेंदु मांकड़, प्रदीप जोशी और ऐश्वर्या केशवानी के स्वरों ने शहीदों की याद में समां बांध दिया। इस अवसर पर कॉलेज विद्यार्थियों के लिए एक 'मौलिक रील प्रतियोगिता' भी आयोजित की गई, जिसके विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कुमारी धारा सोंदागर ने स्वरचित कविता के माध्यम से वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें गांधीधाम, अंजार और भुज से आए सैकड़ों नागरिक सम्मिलित हुए।

आदिनाथ से महावीर जन्म कल्याणक तक ‘घर-घर मंगलाचार’ कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति, जयपुर कैपिटल संभाग के तत्वावधान में “घर-घर मंगलाचार” कार्यक्रम के अंतर्गत धार्मिक आयोजन सोमवार को महारानी फार्म स्थित अनिता बड़जात्या के आवास पर सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासमिति की अध्यक्षा मंजू जैन सेवा वाली ने की। दोपहर 3 बजे आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा। आयोजन की जानकारी देते हुए अनिता बड़जात्या ने बताया कि महासमिति के आह्वान पर मंगलाचार किया गया, जिसमें भजन, नृत्य एवं भगवान के बाल्य रूप का पालना झुलाने जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर बीना टोंग्या, सुनीता बड़जात्या, रेखा झांझरी, सरोज काला, विमला जैन, रेखा सोगानी, उषा सेठी, गौरी भोंसा, सुनीला झांझरी, पुष्पा सोगानी, सरोज बाकलीवाल, सीमा पाटोदी, रचना जैन, प्रियंका बोहरा, राज लुहाड़िया, जैनमती जैन, उषा कासलीवाल, रीमा जैन (पत्रकार कॉलोनी), राखी पाटनी सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि महिला महासमिति का यह “घर-घर मंगलाचार” कार्यक्रम भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक से भगवान महावीर जन्म कल्याणक तक निरंतर आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम के उपरांत उपस्थित समाजजनों को अल्पाहार भी कराया गया।

आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (खोजान) की कार्यकारिणी के चुनाव शांतिपूर्वक सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। किशनपोल बाजार स्थित पंडित शिवजीलाल का रास्ता, चौकड़ी मोदीखाना में स्थित श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (खोजान) की नई कार्यकारिणी के गठन हेतु आयोजित चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए। चुनाव में मंदिर से जुड़े श्रद्धालुओं एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव अधिकारी की उपस्थिति में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चयन किया गया। चुनाव अधिकारी निर्मल गोधा ने अध्यक्ष पद पर प्रदीप दीवान, उपाध्यक्ष पद पर प्रदीप छाबड़ा, मंत्री पद पर कैलाश चंद बिंदायका, संयुक्त सचिव पद पर मनीष कुमार जैन तथा कोषाध्यक्ष पद पर सुरेश छाबड़ा के चयन की घोषणा की। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सुभाष छाबड़ा एवं श्रीमती कुमुद छाबड़ा को शामिल किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का मंदिर परिसर में फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रदीप दीवान ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे मंदिर के विकास, स्वच्छता व्यवस्था, धार्मिक कार्यक्रमों के सुचारू संचालन एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करेंगे। चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

शक्ति नगर में गूंजा महावीर जन्मोत्सव

पालना उत्सव और नारी गौरव सम्मान का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। शक्ति नगर स्थित श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन पल्लीवाल मंदिर में सोमवार को भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में 'पालना उत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। शक्ति नगर महिला मंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का भारी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ विमला बहन और मीना बहन द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। समारोह में सिद्धार्थ और त्रिशला की पौराणिक भूमिकाओं को कुसुम शाह और रचना शाह ने अत्यंत जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। वहीं, अंकिता बिलाला और नेहा पाटनी की नृत्य नाटिका ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। समाज में विशिष्ट योगदान के लिए सुनीता अजमेरा (कृष्णा विहार) को 'नारी गौरव' सम्मान से विभूषित किया गया। कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा सुनीता अजमेरा और मीनू गंगवाल द्वारा तैयार की गई थी। इस अवसर पर प्रेम लता बोहरा ने महिला मंडल के प्रयासों की सराहना करते हुए सदस्यों को भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के लिए प्रोत्साहित किया। बीना बिलाला द्वारा उपहार वितरण के साथ कार्यक्रम का आनंदपूर्वक समापन हुआ।

वागड़ में वैराग्य की बयार: परतापुर के शिक्षक संजय दोसी लेंगे जैनेश्वरी दीक्षा, समूचे क्षेत्र में हर्ष की लहर

परतापुर (बांसवाड़ा). शाबाश इंडिया

उड़ा जा रहा है पंछी हरी-भरी डाल से, रोको तो रोको कोई मुनि को विहार से... यह पंक्तियाँ आज परतापुर के उस शिक्षक पर चरितार्थ हो रही हैं, जिन्होंने संसार की चकाचौंध को त्याग कर संयम के मार्ग को चुना है। परतापुर निवासी संजय दोसी (पुत्र श्री नथमल दोसी) द्वारा अति शीघ्र जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण करने के निर्णय से न केवल परतापुर, बल्कि वागड़, मेवाड़ और गुजरात के जैन समाज में हर्ष और गौरव का माहौल है।

शिक्षण से संयम तक का सफर

पिछले 25 वर्षों से अधिक समय तक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएँ देने वाले संजय दोसी का झुकाव संतों के सानिध्य में निरंतर बढ़ता गया। वैसे तो गुरुओं से उनका जुड़ाव वर्ष 1988 से ही था, लेकिन अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के दर्शन के बाद उनके जीवन की दिशा ही बदल गई। पिछले 7-8 वर्षों से वे आचार्य श्री से दीक्षा की भावना प्रकट कर रहे थे। भक्त की करुण पुकार पर आचार्य श्री की कृपा ऐसी बरसी कि वे दिल्ली से विहार कर अगले सप्ताह वागड़ की धरा पर प्रवेश करने जा रहे हैं, जहाँ वे अपने अनन्य भक्त को जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान करेंगे। दीक्षा के अटूट भाव के चलते संजय दोसी ने एक वर्ष पूर्व ही अपने शिक्षक पद से 'स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति' ले ली थी। गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी उन्होंने

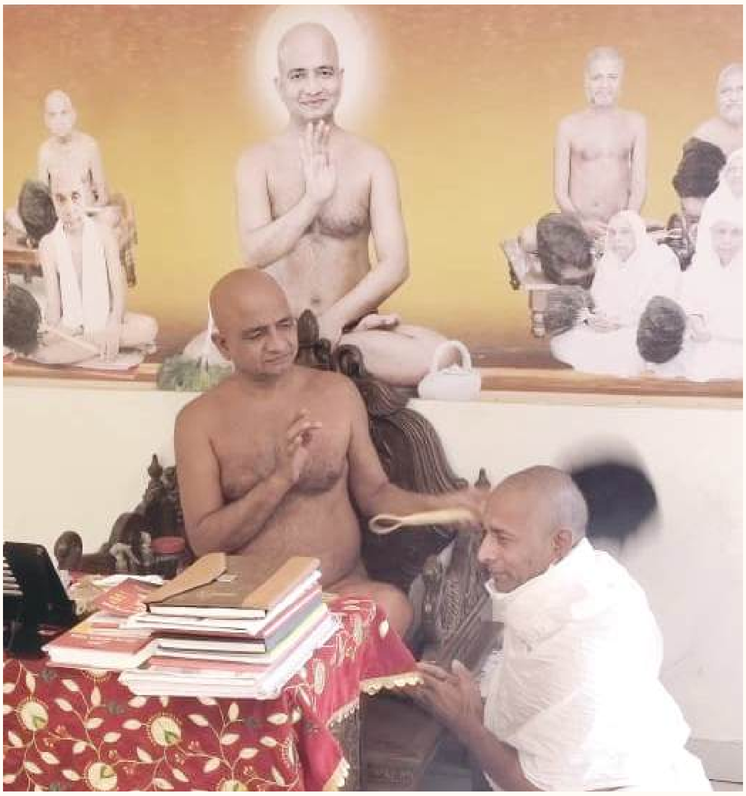

और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मैना देवी ने संसार के भोगों के बजाय संयम को प्राथमिकता दी। इस युगल ने आधुनिक युग में 'तपोमय जीवन' का दुर्लभ उदाहरण पेश किया है:

कठिन साधना: दोनों ने साथ मिलकर प्रथम व द्वितीय प्रतिमा के व्रत अंगीकार किए।

तपस्या: 10 लक्षण, पंचमेरु, सोलह कारण के 16 उपवास, मौन पूर्वक भक्तामर पाठ, ज्ञानपच्चीसी और तत्वार्थ सूत्र का स्वाध्याय पूर्ण किया।

पुण्यार्जन: आचार्य श्री कनकनंदी महाराज ससंघ का वर्ष 2025 का भव्य चातुर्मास भिलुडा (गौरी आश्रम) में कराने का सौभाग्य प्राप्त किया।

साधु सेवा और परोपकार

संजय दोसी के संरक्षण में मात्र 4 लोगों से शुरू हुए 'साधु सेवा संस्थान' ने आज 300 से अधिक सक्रिय सदस्यों की फौज खड़ी कर दी है। उनके नेतृत्व में तीन बार सम्मेद शिखर जी की निशुल्क यात्रा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त, परतापुर में गौशाला निर्माण और राजकीय चिकित्सालय में 'निशुल्क भोजनालय' के संचालन में भी उनकी मुख्य भूमिका रही है। वे तरुण क्रांति मंच और महावीर इंटरनेशनल के माध्यम से भी निरंतर समाज सेवा में सक्रिय रहे हैं।

एक परिचय: वैराग्य पथ के राही

जन्म: 16 फरवरी 1972 (परतापुर)

माता-पिता: श्रीमती निर्मला देवी एवं श्री नथमल जी दोसी

परिवार: वर्तमान में घर में माँ निर्मला देवी, पत्नी मैना देवी और पुत्र चिंतन जैन हैं। पुत्री मुक्ति जैन का विवाह हो चुका है। पूरा परिवार इस वैराग्य पथ में उनका संबल बना हुआ है।

संजय दोसी का यह निर्णय आधुनिक पीढ़ी के लिए प्रेरणा है कि भौतिक सुखों के बीच भी आत्म-कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

रिपोर्ट: अजीत कोठिया, डडूका

नवरात्रि शक्ति की उपासना का पर्व है: हिमाद्री मिश्र

हुगली. शाबाश इंडिया

हुगली जिले की अग्रणी साहित्यिक संस्था ''शब्द साधना'' के बैनर तले नवरात्रि के उपलक्ष्य में एक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रिसड़ा स्थित इस्कोट स्कूल में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्था अध्यक्ष हिमाद्री मिश्र 'हिम' ने कहा कि भारतीय संस्कृति पर्व, उपवास, व्रत और संकल्पों की ऐसी अनमोल धरोहर है, जिसकी तुलना विश्व में संभव नहीं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन के प्रतीक हैं और नवरात्रि का मूल आधार शक्ति की उपासना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीमा मिश्र, प्रधान अतिथि डॉ. उर्वशी श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि प्रिया श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। दूसरे सत्र में काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें चन्द्रिका प्रसाद पाण्डेय अनुरागी, जय कुमार रूसवा, डॉ. मनोज मिश्र, रणजीत भारती, कमलापति पाण्डेय निडर, रूपम महतो, विष्णु दत्त उपाध्याय, चन्द्रभानु गिरिजाशंकर, कलावती, अनिल कुमार सिंह, डॉ. शाहिद फरोगी, मुश्ताक जैर, नजीर राही, शिवम तिवारी, दिनेश कुमार धानुक, मोहम्मद अय्यूब वारसी कोलकतवी, जतिब हयाल, भागीरथी कुर्मी, सुरेन्द्र सिंह, मोहन चतुर्वेदी बैरागी, ओमप्रकाश चौबे, अवधेश मिश्र सबरंग एवं संस्था के महासचिव राम पुकार सिंह पुकार गाजीपुरी ने गीत, गजल और कविताओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। काव्य पाठ से वातावरण भक्तिमय और भावपूर्ण हो उठा, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में कृष्णानंद मिश्र, सत्य प्रकाश पाण्डेय, दीपचंद सोनकर, फणीभूषण एवं आदित्य त्रिपाठी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप कुमार धानुक ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन साहित्य मंत्री डॉ. शिव प्रकाश दास ने प्रस्तुत किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

गुरु की छत्र छाया और समाधि का संकल्प

आर्यिका अर्हम श्री माताजी के दीक्षा दिवस पर विशेष

जयपुर. शाबाश इंडिया। चैत्र शुक्ला अष्टमी, आर्यिका रत्न 105 अर्हम श्री माताजी के दीक्षा दिवस के पावन अवसर पर संपूर्ण जैन समाज उनके संयम और गुरु-भक्ति को नमन कर रहा है। इस विशेष अवसर पर ''समाधि भक्ति'' महाकाव्य की एक अनुपम कृति ''तेरी छत्र छाया'' (सचित्र सार्थ पाण्डुलिपि) चर्चा का केंद्र है, जो शिष्य के गुरु के प्रति अटूट समर्पण और जीवन के परम लक्ष्य 'समाधि मरण' की भावना को जीवंत करती है।

''तेरी छत्र छाया'': कला और भक्ति का संगम

यह कृति गणाचार्य विराग सागर जी महाराज के शिष्य, शास्त्र कवि श्रमणाचार्य विभव सागर मुनि द्वारा रचित 'समाधि भक्ति' महाकाव्य का एक लघु एवं सचित्र रूप है। आर्यिका अर्हम श्री माताजी ने न केवल इस काव्य का कुशल संपादन किया, बल्कि उनके ही मार्गदर्शन में इंदौर के कलाकार अरविंद आचार्य द्वारा इसका अर्थपूर्ण चित्रांकन किया गया। 12x18 आकार की इस भव्य पांडुलिपि के आवरण पर अरिहंत, सिद्ध और आचार्य परमेष्ठी को दशार्या गया है। इसमें हस्तलिखित मंगलाचरण, प्रस्तावना और समर्पण के साथ मूल महाकाव्य से संकलित 64 छंदों (ऋद्धियों) को चित्रों और अर्थ सहित प्रस्तुत किया गया है।

समाधि भक्ति महाकाव्य की विकास यात्रा

'समाधि भक्ति' महाकाव्य आत्म-साधना और ज्ञानोपयोग की श्रेष्ठतम उपलब्धि है। इस महाकाव्य का सृजन वर्ष 2005 में चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शांतिसागर महाराज की समाधि स्थली कुन्थलगिरि से प्रारंभ हुआ था। वर्ष 2019 के निवाई (राजस्थान) चातुर्मास तक इसमें 214 काव्य रचे गए थे। अनवरत रचना क्रम के साथ वर्ष 2025 तक इसमें कुल 634 काव्य पद सम्मिलित हो चुके हैं, जिसका भव्य ग्रंथ हाल ही में प्रकाशित हुआ है।

गूढ़ अर्थों से अलंकृत शब्द श्रृंखला

पांडुलिपि के 64 पदों में जिनवाणी रसपान, मोक्ष मार्ग, संयम पथ, भक्तामर, क्षमा भाव, समयसार और गुरु आज्ञा जैसे गंभीर विषयों को सरल अर्थों के साथ पिरोया गया है। इसमें 'परोपकार', 'वचन शुद्धि' और 'अक्षय श्रद्धा' जैसे जीवनोपयोगी सूत्रों को कलात्मक रूप से समझाया गया है। इस कृति का प्रकाशन निवाई वषायोग समिति (2019) और श्रमण श्रुत सेवा संस्थान, जयपुर के सौजन्य से हुआ है।

जनकपुरी प्रवास और धर्म प्रभावना

वर्तमान में जनकपुरी (ज्योति नगर, जयपुर) प्रवास के दौरान आर्यिका अर्हम श्री माताजी, आर्यिका संस्कृत श्री माताजी एवं आर्यिका अरहन श्री माताजी ने अपने प्रवचनों के माध्यम से ''तेरी छत्र छाया'' के एक-एक पद की भावपूर्ण व्याख्या की है। समाज में इस कृति के माध्यम से धर्म की गहरी प्रभावना हुई है। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान (राजस्थान) के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने इस कृति को जीवन का अमूल्य धन बताते हुए कहा कि गुरु की छत्र छाया और समाधि मरण का यह भाव हर श्रावक के हृदय में भक्ति की जोत जलाता है।

प्रस्तुतिः पदम जैन बिलाला
प्रांतीय अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान (राजस्थान)

डी.पी. ज्वेलर्स का "वेडिंग कार्निवल 2026" शुरू

वैवाहिक सीजन के लिए पेश किया एक्सक्लूसिव कलेक्शन

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया

मध्य भारत के प्रतिष्ठित और विश्वसनीय आभूषण ब्रांड डी.पी. ज्वेलर्स ने आगामी वैवाहिक सीजन को देखते हुए अपने बांसवाड़ा शोरूम पर भव्य ''वेडिंग कार्निवल 2026'' का आगाज किया है। 19 मार्च से शुरू हुआ यह विशेष कार्निवल 29 मार्च 2026 तक जारी रहेगा, जिसमें दुल्हन और उनके परिवारों के लिए आभूषणों की एक विशाल और अनुपम शृंखला पेश की गई है।

परंपरा और आधुनिकता का संगम

इस कार्निवल का मुख्य आकर्षण 'दुल्हन विशेष' कलेक्शन है, जिसमें पारंपरिक राजपूती और आधुनिक डिजाइनों का बेहतरीन समावेश है। ग्राहकों के लिए गोल्ड, डायमंड, डायमंड पोल्की और चांदी की ज्वेलरी के साथ-साथ चांदी के बर्तन एवं कलाकृतियों (आर्टिकल्स) की विशेष रेंज उपलब्ध कराई गई

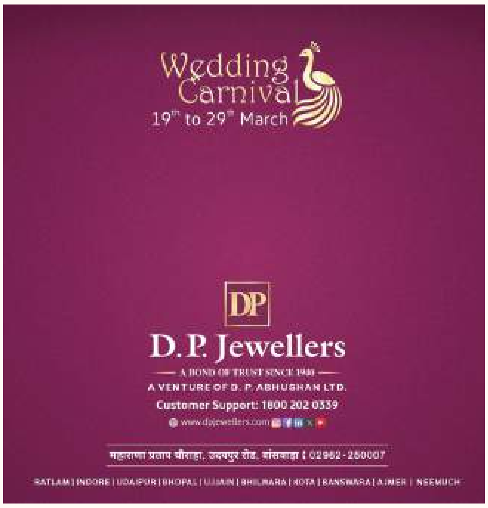

है। विशेष रूप से तैयार किए गए भारी नेकलेस सेट, बारीक नक्काशी वाली चूड़ियां, बैंगल्स और मांग-टीका इस प्रदर्शनी की शोभा बढ़ा रहे हैं।

पारदर्शिता और शुद्धता का भरोसा

डी.पी. ज्वेलर्स की पहचान उसके 30 लाख से अधिक संतुष्ट ग्राहकों का अटूट विश्वास है। शोरूम पर उपलब्ध हर आभूषण के साथ उसकी शुद्धता का स्पष्ट उल्लेख होता है। संस्थान की 'पारदर्शी मूल्य नीति' के तहत मेकिंग चार्जेस, ग्रॉस वेट और नेट वेट की पूरी जानकारी ग्राहकों को दी जाती है। उचित मेकिंग चार्जेस और आकर्षक 'बाय-बैक पॉलिसी' इसे खरीदारी के लिए सबसे सुरक्षित स्थान बनाती है।

बांसवाड़ा की पसंद का खास ख्याल

क्षेत्रीय मांग को ध्यान में रखते हुए यहाँ भारी सोने के आभूषणों के साथ-साथ आजकल चलन में चल रहे 'लाइट वेट' और 'कम्पलीट वेडिंग सेट' की मांग भी तेजी से बढ़ी है। डी.पी. ज्वेलर्स ने इन सभी विकल्पों को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराया है, ताकि वैवाहिक खरीदारी को सुगम और यादगार बनाया जा सके। बांसवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों के ग्राहकों के लिए अपनी पसंद और बजट के अनुसार श्रेष्ठ आभूषण चुनने का यह एक सुनहरा अवसर है।

बैंड-बाजों के साथ सरला बाग में मुनिश्री विलोक सागर जी का भव्य मंगल प्रवेश

भक्तिमय हुआ वातावरण

आगरा. शाबाश इंडिया। दयालबाग स्थित सरला बाग के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में शनिवार को आध्यात्मिक उल्लास का अनुपम दृश्य देखने को मिला। देव नगर जैन मंदिर से विहार कर निर्यापक मुनिश्री विलोक सागर जी महाराज एवं मुनिश्री विबोध सागर जी महाराज ससंघ का सरला बाग में भव्य मंगल आगमन हुआ। मुनिश्री के आगमन से पूरे क्षेत्र में धर्म की गंगा बह निकली और श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया।

सुसज्जित बग्गी और बैंड-बाजों के साथ अगवानी

मुनिश्री के स्वागत में भव्य नगर भ्रमण का आयोजन किया गया, जिसमें बैंड-बाजों की मधुर स्वर लहरियों और सुसज्जित बग्गियों ने समां बांध दिया। नगर भ्रमण के दौरान मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पाद प्रक्षालन कर और मंगल आरती उतारकर मुनिश्री की भावभीनी अगवानी की। सरला बाग मंदिर पहुँचने पर भक्तों ने जयकारों के साथ गुरुदेव का स्वागत किया।

व्यसनों से दूर रहकर ही बन सकते हैं सच्चे भक्त: मुनिश्री

मंदिर परिसर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री विलोक सागर जी महाराज ने भगवान महावीर के सिद्धांतों को आत्मसात करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा, सच्चा भक्त वही है जो व्यसनों से दूर रहकर अहिंसा, संयम और सदाचार को अपने जीवन का हिस्सा बनाता है। मुनिश्री के प्रेरणादायक प्रवचनों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। शाम के सत्र में शंका समाधान, गुरु भक्ति एवं 48 दीपों के साथ संगीतमय भक्तामर पाठ का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावकों ने धर्म लाभ प्राप्त किया।

आज होगा संगीतमय महावीर विधान

प्रचार मंत्री सुबोध कुमार जैन ने जानकारी दी कि 22 मार्च को प्रातः काल सामूहिक अभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात विधानाचार्य आशुतोष शास्त्री के निर्देशन में भव्य संगीतमय श्री महावीर विधान संपन्न होगा। इस गरिमामयी आयोजन में सुबोध कुमार जैन, महेशचंद जैन, राहुलेंद्र जैन, मनीष जैन एडवोकेट, पवन जैन, पारस जैन, विकास जैन, रॉबिन जैन, सौरभ जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य पदाधिकारी और महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रहीं। **भवदीय: शुभम जैन**

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया ने किए भगवान शांतिनाथ के दर्शन

मुनि द्वय से लिया मंगल आशीर्वाद

मुनिराजों ने उन्हें मधुर मुस्कान के साथ जीवन में धर्म और कर्तव्य पथ पर अडिग रहने का मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर उनके साथ वरिष्ठ भाजपा नेता श्री वीरेंद्र जैन भी मौजूद रहे।

रामगंजमंडी (कोटा). शाबाश इंडिया। पंजाब के राज्यपाल एवं राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री गुलाबचंद कटारिया शनिवार (21 मार्च) को रामगंजमंडी प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने जैन धर्म के पवित्र तीर्थ स्थलों पर मत्था टेका और संतों का सानिध्य प्राप्त किया। प्रातः रेल मार्ग से रामगंजमंडी पहुँचने के तुरंत बाद श्री कटारिया सीधे शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुँचे। उन्होंने मंदिर के मूलनायक भगवान शांतिनाथ के दर्शन किए और देश की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर दर्शन के उपरांत श्री कटारिया ने नगर में ससंघ विराजमान, आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के परम शिष्य एवं आचार्य श्री समयसागर महाराज के आज्ञानुवर्ती मुनि श्री 108 निष्पक्ष सागर महाराज एवं मुनि श्री 108 निस्पृह सागर महाराज के दर्शन किए। उन्होंने मुनि द्वय के चरणों में नमन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनिराजों ने उन्हें मधुर मुस्कान के साथ जीवन में धर्म और कर्तव्य पथ पर अडिग रहने का मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर उनके साथ वरिष्ठ भाजपा नेता श्री वीरेंद्र जैन भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि श्री गुलाबचंद कटारिया एक धर्मनिष्ठ व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं और वे समय-समय पर संतों का मार्गदर्शन लेने पहुँचते रहते हैं। रामगंजमंडी से उनका पुराना जुड़ाव रहा है; इससे पूर्व वर्ष 2007 में आयोजित 'पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव' के दौरान वे तत्कालीन गृहमंत्री के रूप में यहाँ पधारे थे और मुनि श्री विमर्श सागर महाराज का आशीर्वाद लिया था। श्री कटारिया झालावाड़ में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु जाते समय अल्प प्रवास के लिए रामगंजमंडी रुके थे। इस संक्षिप्त प्रवास के दौरान उनके आगमन से स्थानीय जैन समाज और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। **रिपोर्ट: अभिषेक जैन लुहाड़िया, रामगंजमंडी**

भक्ति और नृत्य के साथ अंबाह में मनाया गया भगवान अजितनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अंबाह। नगर के चुंगी नाका स्थित श्री महावीर जिनालय में द्वितीय तीर्थंकर भगवान श्री अजितनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। मंगलवार को आयोजित इस पावन प्रसंग पर सुबह से ही मंदिर परिसर धार्मिक जयकारों से गुंजायमान रहा, जिसमें बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातःकाल में भगवान श्रीजी के अभिषेक के साथ हुआ। श्रद्धालुओं ने रजत एवं स्वर्ण कलशों से भगवान की प्रतिमा का भव्य महमस्तकाभिषेक किया। इस पुण्य अवसर का लाभ प्रथम चार सौभाग्यशाली इंद्रों को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात, विश्व शांति एवं सर्वकल्याण की भावना के साथ 'वृहद शांतिधारा' का वाचन किया गया, जिसमें समस्त जीवों के कल्याण की प्रार्थना की गई। आयोजन का कुशल संचालन सेवानिवृत्त शिक्षक प्रवीण कुमार जैन एवं अश्वनी कुमार जैन (पुणे) द्वारा किया गया। वहीं, विधानाचार्य पंडित अंकित जैन (सिहोनिया) ने विधि-विधानपूर्वक शांतिनाथ विधान संपन्न कराया।

संयम और त्याग ही मोक्ष का आधार: पंडित अंकित जैन

धर्मसभा को संबोधित करते हुए पंडित अंकित जैन ने मोक्ष मार्ग

के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''जैन दर्शन में मोक्ष आत्मा की वह परम अवस्था है, जहाँ जीव जन्म-मरण के चक्र से मुक्त होकर अनंत सुख और ज्ञान को प्राप्त करता है। राग, द्वेष और मोह ही आत्मा को संसार में बांधते हैं। सम्यक दर्शन, ज्ञान और चरित्र को अपनाकर ही कर्मों के बंधन को काटा जा सकता है।'' उन्होंने पंचमहाव्रत–अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह को आत्मिक उन्नति का मुख्य आधार बताया।

निर्वाण लाडू अर्पण और सांस्कृतिक छटा

विधान के उपरांत श्रद्धालुओं ने भक्ति में लीन होकर भजन-कीर्तन और नृत्य के साथ भगवान के चरणों में 'निर्वाण लाडू' अर्पित किया। अंत में संगीतमय पूजन का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों के माध्यम से प्रभु की आराधना की। इस अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष संतोष

जैन, महामंत्री विकास जैन पाड़े, कपिल जैन केपी, श्री कृष्ण जैन, राहुल जैन, अजय जैन बबलू, आशु जैन, मनीष जैन सहित समाज के वरिष्ठ जन, युवा और महिला मंडल की सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

'जियो और जीने दो' के जयघोष से गूंजा अजमेर महावीर भगवान का दिव्य संदेश पहुंचाया घर-घर

अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति (महिला एवं युवा महिला संभाग), अजमेर के तत्वावधान में ऐतिहासिक 'बाबाजी के मंदिर' में 'घर-घर मंगलाचार' कार्यक्रम अत्यंत भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। आदिकाल की जैन प्रतिमाओं के समक्ष आयोजित इस कार्यक्रम ने संपूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

महावीर के सिद्धांतों की प्रासंगिकता

महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि सक्रिय सदस्य सरला झांझरी के संयोजन में सर्वप्रथम णमोकार महामंत्र का जाप एवं भक्तामर पाठ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने भगवान महावीर के कालजयी संदेश 'जियो और जीने दो' का सामूहिक उच्चारण किया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान विश्व में व्याप्त अनिश्चितता और अशांति के माहौल में महावीर स्वामी के अहिंसा और प्रेम के संदेश की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है।

नाटिका के माध्यम से दी भगवान के पंच नामों की सीख

समिति मंत्री सुषमा पाटनी एवं रिंकू कासलीवाल ने जानकारी दी कि सरावगी मोहल्ला इकाई की अध्यक्ष किरण गोधा एवं संयोजक सरला झांझरी ने मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाकर आगंतुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान बालक दक्ष द्वारा एक सुंदर नाटिका का मंचन किया गया, जिसमें भगवान महावीर के 'पंच नामों' (वीर, अतिवीर, सन्मति, वर्धमान और महावीर) का चित्रांकन किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुति और पात्र अभिनय

मंगलाचरण की प्रस्तुति दिव्यांशी, खुशी, सोनिया, प्रियल और यथा जैन द्वारा दी गई। नाटिका में भगवान के माता-पिता के रूप में राजेंद्र झांझरी एवं सरला झांझरी ने प्रभावशाली भूमिका निभाई। युवा प्रकोष्ठ मंत्री अंजू अजमेरा ने सफल आयोजन हेतु सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर निर्मला झांझरी, मंजू गंगवाल, शशि बज, मीना दोषी सहित महासमिति की अनेक सदस्याएं और जैन समाज के गणमान्य धर्मावलंबी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय को मिला एन.एस.एस. का राज्य स्तरीय पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय को राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन और समाज सेवा के कार्यों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह गौरवपूर्ण सम्मान महाविद्यालय द्वारा स्वच्छता अभियान, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय स्तर के शिविरों में दी गई उल्लेखनीय भागीदारी के लिए प्रदान किया गया।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने किया सम्मानित

कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय, राजस्थान द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रेणु जोशी को यह पुरस्कार प्रदान किया। इस गरिमामयी समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक श्री एस.पी. भटनागर, कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय के संयुक्त निदेशक (अकादमिक) डॉ. विजय सिंह जाट और राज्य समन्वयक डॉ. के.के. कुमावत सहित शिक्षा जगत के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

स्वयंसेवकों के समर्पण का परिणाम: प्रो. रेणु जोशी

इस बड़ी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए प्राचार्या प्रो. रेणु जोशी ने कहा कि यह पुरस्कार महाविद्यालय के शिक्षकों और स्वयंसेवकों की कड़ी मेहनत, अटूट समर्पण और निस्वार्थ सेवा भावना का प्रतिफल है। उन्होंने एन.एस.एस. इकाई के निरंतर प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल संस्थान के लिए गौरव की बात है, बल्कि आगामी पीढ़ी के स्वयंसेवकों के लिए भी प्रेरणा का एक सशक्त स्रोत बनेगा। उन्होंने भविष्य में भी समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को इसी ऊर्जा के साथ निभाने का संकल्प दोहराया।

मदुरै में मुमुक्षु आगम गुलेच्छा का भव्य स्वागत, दीक्षा से पूर्व उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

मदुरै. शाबाश इंडिया

(संवाददाता: दिनेश सालेचा) जैन समाज में आध्यात्मिक उत्साह और श्रद्धा का अनुपम वातावरण उस समय देखने को मिला, जब सूरत निवासी मुमुक्षु आगम दिलीप कुमार गुलेच्छा के मदुरै आगमन पर उनका भव्य स्वागत एवं बहुमान किया गया। दीक्षा के संकल्प पथ पर बढ़ रहे मुमुक्षु के स्वागत में बड़ी संख्या में समाजजन उमड़े और भाव-विभोर होकर उनके त्याग की अनुमोदना की।

पारंपरिक विधि-विधान से अभिनंदन

प्रवासी समाज प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुमुक्षु आगम गुलेच्छा अपने दादा श्री प्रकाशमल एवं श्री शांतिलाल गुलेच्छा के निवास स्थान पर पधारे। इस अवसर पर परिवारजनों ने गृह परिसर को आकर्षक रूप से सजाकर पारंपरिक विधि-विधान से मुमुक्षु का अभिनंदन किया। अक्षत से वधामना, श्रीफल अर्पण और माल्यार्पण कर मुमुक्षु का भावभीना सम्मान किया गया। दीक्षार्थी की अनुमोदना हेतु सायंकालीन बेला में 'सांझी' का विशेष आयोजन किया गया। "दीक्षार्थी अमर रहे" और "संयम धर्म की जय" जैसे गगनभेदी जयघोषों से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने मुमुक्षु के प्रति अपनी अगाध आस्था व्यक्त करते हुए उनके आगामी संयमी जीवन के लिए मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

23 अप्रैल को पालिताना में होगी दीक्षा

मुमुक्षु के माता-पिता श्रीमती निर्मला एवं श्री दिलीप कुमार गुलेच्छा ने सभी उपस्थितजनों को आगामी 23 अप्रैल 2026 को पावन शत्रुंजय तीर्थ (पालिताना) में आयोजित होने वाले भव्य 'दीक्षा महोत्सव' में सपरिवार पधारने का विनम्र आमंत्रण दिया।

दीक्षा का संक्षिप्त परिचय

दीक्षार्थी: मुमुक्षु आगम गुलेच्छा (मूल निवासी: बिटू, मारवाड़-पाली; वर्तमान: सूरत)।
दीक्षा तिथि: 23 अप्रैल 2026।
स्थान: शत्रुंजय तीर्थ, पालिताना (गुजरात)।
निश्रा: पूज्य आचार्य श्रीमद् रत्नचंद्र सूरीश्वरजी म.सा. एवं आचार्य श्रीमद् विजय उदयरत्न सूरीश्वरजी म.सा. (डहेलावाला) ससंघ।
इस गरिमामयी कार्यक्रम में मोहनलाल तातेड़, विजराज श्रीश्रीमाल, कांतिलाल पटियात, मंगलचंद सालेचा, प्रकाशमल गुलेच्छा, गौतमचंद बाफना, शांतिलाल गुलेच्छा, रमेश कांकरिया सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक और महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रहीं।

प्रस्तुति: दिनेश सालेचा (प्रवासी समाज प्रवक्ता, मदुरै)

इंदौर में रचेगा इतिहास

रजतमयी चौबीसी का भव्य पंचकल्याणक महोत्सव 3 अप्रैल से

इंदौर (राजेश जैन 'दद्दू'). शाबाश इंडिया। मल्हारगंज स्थित दिगंबर जैन चंद्रप्रभु जिनालय के प्रथम तल पर नवीन वेदी में विराजित होने वाली 24 तीर्थंकरों की रजतमयी (चांदी की) प्रतिमाओं का भव्य 'पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव' आगामी 3 अप्रैल से 9 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। मुनिश्री 108 विमल सागर जी एवं मुनिश्री 108 अनंत सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में यह महोत्सव दलालबाग (छत्रपति नगर) परिसर में संपन्न होगा।

प्रदेश का पहला रजतमयी चौबीसी जिनालय

जिनालय ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश जैन 'लारेल' एवं महामंत्री राजू 'अलबेला' ने बताया कि परवार समाज द्वारा स्थापित यह प्रदेश का पहला ऐसा जिनालय होगा, जहाँ एक साथ रजतमयी चौबीसी विराजमान होगी। आचार्य श्री विद्यासागर जी एवं आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के शुभाशीर्वाद से आयोजित इस महोत्सव की सभी तैयारियाँ पूर्ण हो चुकी हैं। दलालबाग में 3000 श्रद्धालुओं की क्षमता वाला भव्य पंडाल तैयार किया गया है।

राजीव जैन 'बीड़ी वाले' बने महोत्सव अध्यक्ष

महोत्सव की कमान प्रख्यात उद्योगपति एवं परवार समाज के पूर्व अध्यक्ष श्री राजीव जैन 'बीड़ी वाले' (बंटी भैया) को सौंपी गई है। उनके अध्यक्ष बनने पर इंदौर जैन समाज के अध्यक्ष आनंद गोधा, डॉ. जैनेन्द्र जैन, अमित कासलीवाल और अन्य गणमान्य जनों ने हर्ष व्यक्त किया है। प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी विनय भैया (बंडा) के निर्देशन में होने वाले इस आयोजन के मुख्य पात्रों का चयन 25 मार्च को प्रातः 8:30 बजे मुनि संघ के सानिध्य में आदिनाथ जिनालय, छत्रपति नगर में किया जाएगा। इस ऐतिहासिक प्रसंग को लेकर समूचे जैन समाज में भारी उत्साह व्याप्त है।

"बढ़ती उम्र में बेहतर स्वास्थ्य" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मानव सेवा ट्रस्ट, राजस्थान द्वारा "**बढ़ती उम्र में बेहतर स्वास्थ्य**" विषय पर प्रताप नगर स्थित सामुदायिक केंद्र में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ट्रस्ट की महासचिव श्रीमती दुर्गा वर्मा ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार और नियमित स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य समस्याओं की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए समय-समय पर सही मार्गदर्शन जरूरी है। कार्यक्रम में महात्मा गांधी डेंटल कॉलेज एवं जेरियाट्रिक डेंटिस्ट्री एसोसिएशन की सदस्य डॉ. प्रगति कौरानी ने बढ़ती उम्र में मुख स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों के दांतों की जांच भी की। ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी तथा स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ आचार्य एवं चिकित्सक प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार, दंत स्वास्थ्य एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से हृदय को स्वस्थ रखने के उपायों के प्रति जागरूक करना है। महात्मा गांधी मेडिकल हॉस्पिटल के प्राकृतिक चिकित्सा विभाग के डॉ. मनोज शर्मा ने प्राकृतिक तरीकों से हृदय को स्वस्थ रखने पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम संयोजिका, समाजसेविका एवं महिला मोर्चा श्योपुर मंडल अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा पाल ने सभी वरिष्ठ नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आमजन का आभार व्यक्त किया। अंत में उपस्थित सभी को ओरल केयर किट वितरित की गई। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त डिप्टी डायरेक्टर धर्मपाल, कौशल सत्यार्थी, श्रीमती विद्या मीना, सुमन देवी, नितेश, भास्कर सहित महारानी कॉलेज एवं आई.आई.एल.एम. कॉलेज के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

फागी परिक्षेत्र के जिनालयों में गूंजा 'जय संभव'

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मोक्ष कल्याणक महोत्सव

फागी. शाबाश इंडिया। फागी कस्बे सहित आसपास के परिक्षेत्र में मंगलवार को जैन धर्म के तृतीय तीर्थंकर भगवान संभवनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव पूर्ण श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। फागी के साथ-साथ चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया और लदाना के जिनालयों में भी विशेष धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए।

अभिषेक, शांतिधारा और निर्वाण लाडू अर्पण

जैन महासभा के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने बताया कि कस्बे के प्राचीन श्री आदिनाथ जिनालय में प्रातः काल भगवान का अभिषेक और सामूहिक शांतिधारा की गई। इसके पश्चात अष्टद्रव्यों से विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने गणिनी आर्यिका ज्ञानमति माताजी, विशुद्धमति माताजी, आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज और समाधिस्थ आचार्य विद्यासागर जी महाराज सहित विभिन्न पूर्वाचार्यों को अर्घ्य समर्पित किए। महोत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में भगवान संभवनाथ के चरणों में निर्वाण लाडू चढ़ाकर देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान समाज की मंजू कासलीवाल एवं मंजू छाबड़ा ने भगवान संभवनाथ के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म श्रावस्ती नगरी में राजा जितारी और रानी सुषेणा के घर हुआ था। उनके गर्भ में आने के समय राज्य का भीषण अकाल दूर होकर सब कुछ 'संभव' हो गया था, इसीलिए उनका नाम 'संभवनाथ' पड़ा। उनका प्रतीक चिन्ह 'घोड़ा' है। उन्होंने अहिंसा, करुणा और आत्म-अनुशासन का मार्ग प्रशस्त किया और सम्मेद शिखर जी की पावन धरा से निर्वाण प्राप्त किया।

श्री महावीर जी स्टेशन पर निखरा भगवान महावीर का मनोहारी रूप

जैन समाज ने चलाया स्वच्छता अभियान

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया। 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत श्री महावीर जी रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण ने श्रद्धालुओं और यात्रियों का मन मोह लिया है। स्टेशन प्रांगण के मुख्य गोल सर्कल में बंसी पहाड़पुर के लाल पत्थरों से निर्मित कलात्मक छतरी और उसमें कमलासन पर विराजमान भगवान महावीर स्वामी की भव्य प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

सामूहिक श्रमदान से निखरी आभा

मंगलवार को जैन समाज के प्रतिनिधियों और प्रबुद्धजनों ने मिलकर सर्कल एवं छतरी परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया। इस दौरान छतरी के भीतर स्थित कमलासन और टफन ग्लास की बारीकी से सफाई की गई। स्वच्छता सेवा के बाद भगवान महावीर की ब्रॉन्ज मेटल (कांस्य) से निर्मित प्रतिमा का रूप और भी अधिक देदीप्यमान और मनोहारी हो उठा है।

इन महानुभावों ने किया सहयोग

सफाई कार्य में प्रसिद्ध वास्तुविद राजकुमार कोठारी, इंजीनियर अनिल जैन (ललितपुर), दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष नरेंद्र जैन नृपत्या, संस्थापक अध्यक्ष सुमेर जैन सोनी, कोषाध्यक्ष सुभाष सौगानी, योगेश टोडरका (जयपुर) और मोहनलाल जैन पाटनी (गोनेर) सहित अनेक गणमान्य जनों ने श्रमदान किया। शुद्धिकरण के पश्चात सभी ने सामूहिक रूप से णमोकार मंत्र का पाठ किया और भगवान महावीर के जयकारे लगाए। आगामी महावीर जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले प्रसिद्ध 'वार्षिक लख्खी मेले' के दौरान यह सर्कल यात्रियों और दर्शनार्थियों के लिए मुख्य आकर्षण रहेगा। रेलवे प्रशासन द्वारा जल्द ही इस सर्कल के चारों ओर विशेष सजावटी लाइटें और फॉक्स लाइटें लगाई जाएंगी, जिससे रात्रि के समय इस प्रतिमा की छटा और भी अलौकिक नजर आएगी।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से
प्रायोजक ARL
प्रायोजक समाचार जगत
A.D. Enterprises (ADEN) द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर एवं
समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026
शुक्रवार 27 मार्च 2026
दोपहर 4 से 7 बजे तक
Venue : A.D. Enterprises (ADEN)
204, 4th Floor, Giriraj Tower, Muhana Mandi Road, Jaipur
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करें और करवाये।।
आयोजक : श्री नितिन जैन, श्री समकित जैन
दीप प्रज्जवलन कर्त्ता : श्री आर. के. जैन
: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

अपराध बोध और पश्चाताप से ही जीवन बनेगा महान: मुनि श्री विकौशल सागर जी महाराज

जिला जेल. शाबाश इंडिया

परम पूज्य मुनि श्री 108 विकौशल सागर जी महाराज का दिव्य प्रवचन सोमवार को जिला जेल में समस्त बंदियों के बीच संपन्न हुआ। मुनि श्री ने जेल की सलाखों के पीछे रह रहे कैदियों को जीवन सुधारने के अनमोल सूत्र प्रदान किए और उन्हें अपराध मुक्त भविष्य के लिए प्रेरित किया।

मन के विचारों पर नियंत्रण है अनिवार्य

धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री ने कहा, हमें अपने भविष्य को उन्नत बनाने के लिए मद्य, मांस और आत्महत्या जैसे आत्मघाती विचारों का पूर्णतः त्याग करना चाहिए। यदि पूर्व में किसी भूलवश कोई अपराध हुआ है, तो उसका सच्चा पश्चाताप ही जीवन को पुनः सुंदर बनाने का मार्ग है। उन्होंने सूक्ष्म दार्शनिक सूत्र देते हुए समझाया कि जैन दर्शन में तो मन में बुरा विचार लाना ही 'कर्म बंध' का कारण है। जो व्यक्ति मन में उठने वाले बुरे विचारों को रोक लेता है, वह लोक और परलोक–दोनों की सजा से बच जाता है।

संस्कार और संकल्प की शक्ति

मुनि श्री ने कैदियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मानव पर्याय बहुत दुर्लभ है, इसे व्यसनों और अपराधों में नष्ट न करें। मन, वचन और काय की विशुद्ध रखते हुए विवेक से काम लें ताकि जेल से बाहर जाकर आप समाज के लिए कुछ सार्थक कर सकें। प्रवचन के अंत में समस्त कैदियों ने अपनी बुराइयों को छोड़ने और भविष्य में अपराध न करने का संकल्प लेकर गुरुदेव से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

जेल की व्यवस्थाओं की सराहना

मुनि श्री ने जेल परिसर का अवलोकन किया और यहाँ उपलब्ध सर्वसुविधायुक्त अस्पताल,

सुव्यवस्थित पुस्तकालय, सिलाई प्रशिक्षण केंद्र, स्वच्छ भोजनालय और मोटिवेशनल कक्ष जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने इसे बंदियों के 'हृदय परिवर्तन' के लिए एक उचित केंद्र बताया।

गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. नरेन्द्र कुमार जैन (गाजियाबाद) के मंगलाचरण से हुआ, जबकि सफल संचालन डॉ. निर्मल कुमार शास्त्री ने किया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक, जेलर, मुख्य प्रहरी एवं समस्त स्टाफ ने मुनि श्री का आशीर्वाद लिया। आयोजन में संतोष अहिंसा, शिखर चंद्र पुष्प, डॉ. राजेन्द्र जी, विनोद जी, मनोज जी, नीरज जी मोगना, विवेक संगम, चौधरी राजू जी और श्रेयांस जी हटा सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। अंत में जेल प्रशासन द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।

जयपुर में गूँजी 'काव्य सुरभि'

विश्व कविता दिवस पर साहित्य और स्वास्थ्य का अनूठा संगम

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व कविता दिवस के उपलक्ष्य में 'सम्पर्क साहित्य संस्थान' एवं फोर्टिस हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में ''काव्य सुरभि: शब्दों का उत्सव'' का भव्य आयोजन किया गया। साहित्य और स्वास्थ्य जागरूकता को समर्पित इस कार्यक्रम ने श्रोताओं को बौद्धिक और आत्मिक आनंद से सराबोर कर दिया।

कविता समाज का जीवंत दर्पण: फारूक आफरीदी

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कविता केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि संवेदनाओं का सजीव स्वरूप और समाज का दर्पण है। उन्होंने अपनी ओजपूर्ण रचना ''स्त्रियाँ कमान संभालो'' के माध्यम से नारी शक्ति को दृढ़ता से आगे बढ़ने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि के रूप में 'शिल्पायन संस्थान' की अध्यक्ष लक्ष्मी अशोक उपस्थित रहीं। संस्थान की महासचिव एवं कार्यक्रम समन्वयक रेनू ''शब्दमुखर'' ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए सम्पर्क साहित्य संस्थान की अब तक की सफल यात्रा पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि विजय शर्मा (निदेशक, कलानेरी) ने मधुर गीत प्रस्तुत किए, वहीं वरिष्ठ साहित्यकार नूतन गुप्ता ने स्त्री जीवन की मर्मस्पर्शी कविताओं से उनकी संवेदनाओं को रेखांकित किया।

साहित्य के साथ स्वास्थ्य का संदेश

फोर्टिस हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. अरुण परतानी ने कार्यक्रम में एक सार्थक हस्तक्षेप करते हुए घुटनों की समस्याओं और उनके बचाव पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश देते हुए कहा कि सही जीवनशैली और समय पर उपचार से बढ़ती उम्र की शारीरिक समस्याओं को नियंत्रित किया जा सकता है।

काव्य संध्या में उमड़ी प्रतिभा

सलोनी क्षितिज रस्तोगी के ऊर्जावान मंच संचालन में आयोजित इस काव्य गोष्ठी में शहर के प्रतिष्ठित रचनाकारों ने अपनी प्रभावी प्रस्तुतियाँ दीं। काव्य पाठ करने वालों में: विजया लक्ष्मी जांगिड़, हर्षवर्धन पांडेय, रेनू शब्दमुखर, सुनीता त्रिपाठी, डॉ. नीलम कालरा, हिमाद्री 'समर्थ', संजय अरोड़ा, आशा बुनकर, एन.एल. शर्मा, डॉ. दीपक कपूर, भीमेश कुमार अरोड़ा, नेहा खत्री, निरुपमा चतुर्वेदी, अविनाश जोशी, रोहित कृष्ण नंदन, सलोनी क्षितिज, विपुल भारद्वाज, माला रोहित, राहुल अरोड़ा, डॉ. नवल किशोर दुबे एवं डॉ. दीपाली वार्ष्णेय अग्रवाल प्रमुख रहे। समारोह में अविनाश शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता शिव कुमार,

तुषार शर्मा, मित्सु चौधरी और एडवोकेट राहुल अरोड़ा सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। अंत में विजया लक्ष्मी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम इस प्रेरणादायी संदेश के साथ सम्पन्न हुआ कि ''जहां कविता मन को संवेदनशील बनाती है, वहीं स्वस्थ शरीर जीवन को संतुलित और सुंदर बनाता है।''

लेकसिटी की चित्रकार नैना सोमानी को अखिल भारतीय पुरस्कार

चंडीगढ़ में मिला प्रोफेशनल श्रेणी में प्रथम स्थान

रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'

उदयपुर। कला के क्षेत्र में उदयपुर का मान बढ़ाते हुए शहर की प्रख्यात चित्रकार नैना सोमानी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की कला प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। चंडीगढ़ के सेक्टर-16 स्थित पंजाब कला भवन में 'आर्टस्केप्स' द्वारा आयोजित '12वीं वार्षिक विमेन आर्टिस्ट्स एग्जिबिशन' में नैना को यह उपलब्धि हासिल हुई।

देश-विदेश के 1000 कलाकारों के बीच मारी बाजी

इस प्रतिष्ठित प्रदर्शनी में देश-विदेश के 1000 से अधिक महिला कलाकारों ने अपनी कलाकृतियाँ प्रेषित की थीं। कड़े मुकाबले के बीच उदयपुर की नैना सोमानी की कलाकृति को प्रोफेशनल श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चुना गया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ उन्हें पुरस्कार स्वरूप 50 हजार रुपये की नकद राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

विजेताओं की सूची और सम्मान

हरियाणा के राज्यपाल आशीम कुमार घोष ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया। प्रोफेशनल श्रेणी में द्वितीय स्थान पर ग्रीस (क्रीट) की अलजोहरा जेजे, तृतीय स्थान पर चंडीगढ़ की सुखजीत कौर तथा चतुर्थ स्थान पर कोलकाता की रिया कर को नवाजा गया।

स्टूडेंट्स श्रेणीः इस श्रेणी में चंडीगढ़ की हर्षिता ने प्रथम, ईशा ने द्वितीय, प्रयागराज की नेत्रिका अग्रवाल ने तृतीय तथा चंडीगढ़ के पंचम गौर ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

उदयपुर के लिए गौरव का क्षण

नैना सोमानी की इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि पर लेकसिटी के कला प्रेमियों और स्थानीय कलाकारों ने हर्ष व्यक्त किया है। यह पुरस्कार न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा का प्रमाण है, बल्कि उदयपुर की समृद्ध कला परंपरा को भी वैश्विक पहचान दिलाता है।

स्वर, सिनेमा और सम्मान की संगम संध्या: उदयपुर में दो दिन गूंजेगा संगीत महोत्सव

लोककला मंडल में 26-27 मार्च को अनुराधा पौडवाल की लाइव प्रस्तुति, इंद्र कुमार के संगीत सफर का विशेष मंचन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

झीलों की नगरी एक बार फिर सुरों और सिनेमा की चमक से सराबोर होने जा रही है। भारतीय लोककला मंडल में 26 और 27 मार्च को आयोजित होने वाला दो दिवसीय संगीतमय महोत्सव शहरवासियों के लिए यादगार अनुभव लेकर आएगा। इस विशेष आयोजन में सुप्रसिद्ध प्लेबैक सिंगर अनुराधा पौडवाल अपनी मधुर आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगी, वहीं बॉलीवुड के चर्चित निर्माता-निर्देशक इंद्र कुमार के फिल्मी संगीत का अनूठा सफर भी मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. अजय मुर्दिया ने बताया कि स्वर्गीय इंदिरा मुर्डिया की 73वीं जयंती के उपलक्ष्य में इंदिरा इंटरप्राइजेज, कश्ती फाउंडेशन और यूएसएम ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में आमजन के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा, हालांकि प्रवेश केवल पास के माध्यम से ही दिया जाएगा। कार्यक्रम के पहले दिन, 26 मार्च को अनुराधा पौडवाल अपने लोकप्रिय बॉलीवुड गीतों की लाइव प्रस्तुति देंगी। वहीं 27 मार्च को इंद्र कुमार की सुपरहिट फिल्मों–जैसे बेटा, धमाल, मन और जीत–के संगीत को विशेष संगीतमय प्रस्तुति के रूप में मंच पर जीवंत किया जाएगा। महोत्सव का एक प्रमुख आकर्षण हिमाचल प्रदेश से आने वाला 15 सदस्यीय हामोर्नी ऑफ पाइन्स पुलिस बैंड होगा, जिसने हुनरबाज टीवी शो से देशभर में पहचान बनाई है। यह बैंड पहली बार उदयपुर में प्रस्तुति देगा। इस अवसर पर पूर्व प्रशासनिक अधिकारी दीपक बोरा को इंदिरा मुर्डिया लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान के अंतर्गत पांच लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जाएगी। आयोजन समिति के अनुसार, कार्यक्रम स्थल पर सुव्यवस्थित पार्किंग सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। कश्ती फाउंडेशन का उद्देश्य इस मंच के माध्यम से न केवल बड़े कलाकारों को दर्शकों से जोड़ना है, बल्कि स्थानीय एवं उभरती प्रतिभाओं को भी अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है।

रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा राजदीप

दान और दया से ही शोभित होता है गृहस्थ जीवनः आचार्य प्रज्ञा सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के पावन सानिध्य में चित्रकूट कॉलोनी (कंवर का बाग) में चल रहे सर्वतोभद्र महामंडल विधान के छठे दिन श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से त्रिलोक तीर्थंकरों का आह्वान किया। संगीतमय वातावरण के बीच 10 विशेष पूजाओं में इन्द्रों द्वारा 336 अर्घ्य अर्पित किए गए।

भक्ति और अनुष्ठान का संगम

विधान समिति के अध्यक्ष अनिल काशीपुरा एवं भूमि पुण्यार्जक दीपक बोहरा ने बताया कि प्रातः काल भगवान के अभिषेक और शांतिधारा के बाद नित्य नियम की पूजा प्रारंभ हुई। इस दौरान धातकी एवं जम्बूद्वीप क्षेत्र के भूत, भविष्य एवं वर्तमान चौबीस तीर्थंकरों की आराधना की गई। कार्यक्रम में मनीष जैन (रेवड़ी परिवार) ने मुनि श्री के पाद प्रक्षालन किए, जबकि समाजसेवी अनिल बनेठा, सत्यप्रकाश कासलीवाल एवं अनुपमा कोटा ने शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त किया। सांध्यकालीन महाआरती सत्यनारायण सिंघल परिवार द्वारा संपन्न की गई।

आचार्य श्री का मंगल उपदेश

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने कहा, ₹जिस प्रकार राजा की शोभा किले से होती है, उसी प्रकार गृहस्थ की शोभा धर्म से है। दया, दान और धर्म से रहित जीवन व्यर्थ है।₹ उन्होंने दान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गृहस्थ कार्यों में होने वाले पापों का प्रायश्चित केवल दान और पूजा से ही संभव है। उन्होंने चार प्रकार के दान (औषध, शास्त्र, अभय, आहार) का उल्लेख करते हुए रक्तदान को भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत का जीवंत उदाहरण बताया।

भक्ति के रंग में डूबी शोभायात्रा के साथ भागवत कथा का शुभारंभ

वैष्णवाचार्य वागधीश जी की अमृतवाणी में गूंज रही कृष्ण लीलाएं

उदयपुर. शाबाश इंडिया। श्रीनाथ मार्ग स्थित माहेश्वरी पंचायत भवन में सोमवार को श्रीमद्भागवत कृष्ण लीलामृत कथा का भव्य शुभारंभ भक्तिभाव और उल्लास के साथ हुआ। कथा महोत्सव की शुरूआत आकर्षक शोभायात्रा से हुई, जिसमें श्रद्धालु गुलाबी परिधानों में सुसज्जित होकर बैंड-बाजों की मधुर धुनों पर नाचते-गाते कथा स्थल तक पहुंचे। पूरे मार्ग में ''राधे-कृष्ण'' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। कथा में नाथद्वारा के प्रख्यात वैष्णवाचार्य वागधीश जी अपनी ओजस्वी एवं भावपूर्ण वाणी से श्रीमद्भागवत के दिव्य प्रसंगों का रसपूर्ण वर्णन कर रहे हैं। उनके प्रवचनों में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का आध्यात्मिक एवं जीवनोपयोगी संदेश समाहित है, जो श्रोताओं को भावविभोर कर रहा है। मंगलवार को कथा के दौरान महाराजश्री ने ठाकुरजी की जन्म लीला एवं नंद महोत्सव के विशेष प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया, जिसे श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सुना। आयोजकों के अनुसार, कथा के प्रत्येक दिवस में भक्तों को भक्ति, ज्ञान और आनंद का अद्भुत संगम अनुभव हो रहा है। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती उपस्थिति इस आध्यात्मिक आयोजन की लोकप्रियता और आस्था की गहराई को दर्शा रही है।

रिपोर्ट/फोटोः पंकज शर्मा

मिनिएचर कला में मेवाड़ की विरासत को संजोने वाले मंदीप मीरां सम्मानित

जौहर मेले में ऐतिहासिक चित्रण के लिए मिला सम्मान; दस वर्षों से कर रहे सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण

रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'

उदयपुर. शाबाश इंडिया। चित्तौड़गढ़ के ऐतिहासिक जौहर मेले में लेकसिटी के प्रख्यात मिनिएचर चित्रकार मंदीप मीरां को मेवाड़ की पारंपरिक चित्रकला शैली में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जौहर स्मृति संस्थान द्वारा आयोजित इस भव्य समारोह में कला और इतिहास के प्रति उनके समर्पण को सराहा गया।

दिग्गज हस्तियों की उपस्थिति में मिला सम्मान

मंदीप मीरां को यह सम्मान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ तथा मेवाड़ राजघराने के सदस्य एवं विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे।

400 चित्रों में जीवंत किया गौरवशाली इतिहास

सम्मान से अभिभूत मंदीप मीरां ने बताया कि उन्होंने चित्तौड़ और मेवाड़ के शौर्यपूर्ण इतिहास को अपनी कूची से जीवंत करने का संकल्प लिया है। अब तक वे लगभग 400 सूक्ष्म चित्रों का सृजन कर चुके हैं, जिनमें ऐतिहासिक युद्धों, प्राचीन परंपराओं और मेवाड़ी वीर गाथाओं का बारीकी से अंकन किया गया है।

दशक भर से जारी है कला साधना

पिछले 10 वर्षों से मंदीप मेवाड़ और भारत के दुर्लभ इतिहास को वैश्विक पटल पर लाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। अपनी कला को जन-जन तक पहुँचाने के लिए वे प्रतिवर्ष ऐतिहासिक विषयों पर आधारित विशेष कैलेंडर का प्रकाशन भी करते हैं, जिसकी कला जगत और इतिहासकारों द्वारा भारी सराहना की जाती है। यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत साधना का प्रतिफल है, बल्कि मेवाड़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित करने के उनके प्रयासों पर गर्व की मुहर है।

श्री महावीर जी: वार्षिक मेले की सुरक्षा को लेकर प्रशासन और जन-प्रतिनिधियों की अहम बैठक

शांतिपूर्ण माहौल और सांप्रदायिक सौहार्द के साथ मेला संपन्न कराने का लिया संकल्प

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया। कस्बा स्थित थाना परिसर में मंगलवार को अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के वार्षिक मेले (27 मार्च से 03 अप्रैल) की व्यवस्थाओं और सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। नायब तहसीलदार महेन्द्र गुप्ता की अध्यक्षता और थानाधिकारी गिर्राज प्रसाद के संयोजन में हुई इस बैठक में क्षेत्र के जन-प्रतिनिधियों एवं जिम्मेदार नागरिकों ने मेले को शांतिपूर्ण संपन्न कराने का भरोसा दिलाया।

परंपरा और आधुनिक सुरक्षा का समन्वय

बैठक में चांदन गांव, नौरंगाबाद, अकबरपुर और नगला मीणा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। चर्चा के दौरान पुरानी परंपराओं को बरकरार रखते हुए वर्तमान समय की सुरक्षा चुनौतियों के अनुसार व्यवस्थाओं में सुधार करने पर सहमति बनी। नगला मीणा के प्रतिनिधियों ने विश्वास दिलाया कि ग्रामीण शांतिपूर्ण तरीके से रथयात्रा में सम्मिलित होंगे और क्षेत्रीय समरसता बनाए रखेंगे।

महासाध्वी कुमुदलताजी का चित्तौड़गढ़ मार्ग पर विहार

बीएसएल परिसर में आज होगा भव्य अनुष्ठान

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। अनुष्ठान आराधिका महासाध्वी श्री कुमुदलताजी म.सा. एवं साध्वी मंडल का भीलवाड़ा से चित्तौड़गढ़ की दिशा में विहार निरंतर जारी है। मार्ग में गुरुणी के दर्शन-वंदन हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं।

बीएसएल मंडपम में विशेष आयोजन

बुधवार, 25 मार्च को सुबह 9:15 बजे से चित्तौड़गढ़ रोड स्थित बीएसएल लिमिटेड (मंडपम परिसर) में महासाध्वी जी के सानिध्य में विशेष अनुष्ठान एवं प्रवचन आयोजित होंगे। कंपनी के डायरेक्टर प्रवीण जैन एवं बीएसएल परिवार ने सभी श्रावकों से धर्म लाभ लेने की अपील की है। इससे पूर्व, केसर कुंज-2 में महासाध्वी जी के 'दीक्षा दिवस' पर उनका भव्य अभिनंदन किया गया, जहाँ श्रद्धालुओं ने उनके दीर्घायु संयम जीवन की मंगलकामना की।

आगामी प्रवास कार्यक्रम

साध्वी मंडल का विहार मार्ग अब हमीरगढ़ और गंगरार की ओर है:

27 मार्च (हमीरगढ़): चांद वाटिका (महावीर भवन के पास) में सुबह 9:15 बजे से प्रवचन एवं महामंगलकारी अनुष्ठान।

28 मार्च (सादी गांव): गंगरार के समीप नाकोड़ा धाम में प्रवास एवं आराधना।

वर्तमान में साध्वी मंडल व्हाइट सीजन रिसोर्ट (मंडपिया) में प्रवास पर है, जहाँ दिनभर दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा।

विश्व शांति की कामना से मूलनायक शांतिनाथ भगवान की महाशांतिधारा

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज भारत एवं आर्यिका ज्ञान श्री माताजी संघ के सानिध्य में भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव (2625वां) के उपलक्ष्य में विश्व शांति की कामना हेतु मूलनायक भगवान शांतिनाथ जी की महाशांतिधारा एवं पूजन-अर्चन का आयोजन किया गया। विज्ञा तीर्थ के मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि इस अवसर पर सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ में भगवान शांतिनाथ जी की मुख्य शांतिधारा करने का सौभाग्य विष्णु कुमार जैन बोहरा (राहुल), महावीर प्रसाद छाबड़ा, हितेश कुमार छाबड़ा, रवि जैन, विमल सोगानी, विमल पाटनी, विजय गंगवाल एवं राजकुमार जैन को प्राप्त हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने नित्य पूजा-अर्चना करते हुए आर्यिका माताजी के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिभाव का वातावरण बना रहा।

आर्यिका संघ का भव्य मंगल प्रवेश, श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

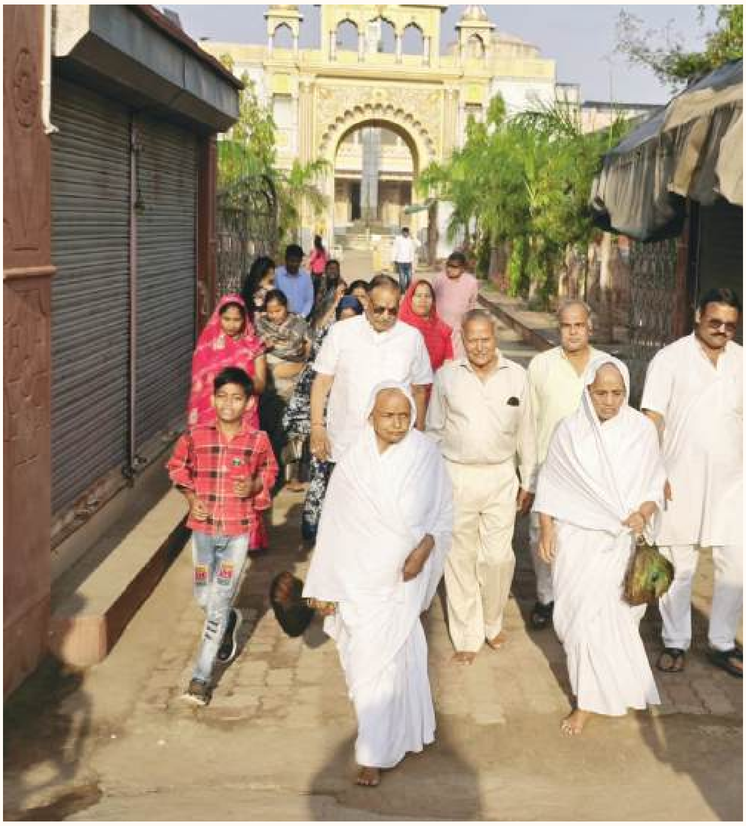

श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

चारित्र चक्रवर्ती प्रथमाचार्य 108 शांतिसागर जी महाराज की अक्षुण्ण गुरु परंपरा को गौरवान्वित करते हुए तृतीय पट्टाचार्य 108 धर्मसागर महाराज की सुशिष्याएं आर्यिका 105 श्रुतमती माताजी एवं आर्यिका 105 सुबोधमती माताजी ससंघ का मंगल प्रवेश अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के शांतिवीरनगर में अत्यंत भव्यता एवं श्रद्धाभाव के साथ सम्पन्न हुआ। आर्यिका संघ की अगवानी के लिए श्रद्धालुओं का विशाल हुजूम उमड़ पड़ा। पूरे क्षेत्र में भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा। इस ऐतिहासिक स्वागत समारोह में संस्थान मंत्री राजकुमार कोठ्यारी, महावीर पाटनी, योगेश टोडरका, महावीर जोबनेर, दिनेश चंवरिया, उर्मिला देवी, नेमीचंद पाटनी, पं. मुकेश शास्त्री, संजय जैन एवं अंकित जैन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

घुवारा पंचकल्याणक

तीर्थंकर बालक के जन्म पर उमड़ा जनसैलाब, जयकारों से गूंजा पाण्डाल

घुवारा. शाबाश इंडिया। बड़ा मंदिर जी में नवनिर्मित विशाल चौबीसी के पंचकल्याणक महोत्सव के तीसरे दिन 'जन्म कल्याणक' का उल्लास चरम पर रहा। मुनिश्री 108 सुब्रत सागर जी महाराज एवं आर्यिका 105 ओम श्री माताजी के मंगल सानिध्य में आयोजित इस समारोह में श्रद्धालुओं की इतनी भारी भीड़ उमड़ी कि विशाल पाण्डाल भी छोटा पड़ गया।

भक्ति और उल्लास का वातावरण

जैसे ही तीर्थंकर बालक का जन्म हुआ, महाराजा नाभिराज के दरबार में उपस्थित जनसमूह झूम उठा। सैकड़ों गांवों से आए श्रद्धालुओं और महिला मंडलों ने घंटों तक बधाई गीत गाकर नृत्य किया। महाराजा नाभिराज ने सभी आगंतुकों को पुरस्कृत किया, वहीं आज के भोजन प्रदाता फुसकेले सेठ परिवार (माता-पिता पात्र) की ओर से पूरी समाज में लड्डुओं का वितरण किया गया।

धार्मिक अनुष्ठान एवं सांस्कृतिक संध्या

माता मरुदेवी की गोद में बालक आदि कुमार के दर्शन हेतु श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सायं काल में महाआरती, सौधर्म इंद्र द्वारा 'तांडव नृत्य', पालना झुलाना और बाल क्रीड़ा जैसी भावविभोर कर देने वाली प्रस्तुतियाँ संपन्न हुईं। मुनिश्री के प्रवचनों ने भक्तों को आत्म-कल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

भोजन की शुद्धि से ही विचारों में आता है परिवर्तन: मुनि श्री अविचल सागर

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। सुभाषगंज में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए दया भावना प्रेरक मुनि श्री अविचल सागर जी महाराज ने कहा कि संसार का जन्म-मरण चक्र कर्मों के अधीन है। उन्होंने शरीर विज्ञान और अध्यात्म को जोड़ते हुए बताया कि हमारे कर्म पहले रक्त और मांस में उतरते हैं, फिर मन को प्रभावित करते हैं। मुनि श्री ने कहा, ''भोजन को केवल पेट भरने का साधन न मानें; शुद्ध अन्न ही लोभ और अहंकार को नष्ट कर दया-करुणा के भाव उत्पन्न करता है। जितना कर्म निर्जरा विवेकपूर्ण भोजन से संभव है, उतनी उपवास से भी नहीं।''

दया भावना फाउंडेशन की सेवा मिसाल

सभा के प्रारंभ में जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि मुनि श्री की प्रेरणा और मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद से अशोकनगर सहित झांसी, ललितपुर और बरुआ सागर जैसे क्षेत्रों में 10 से अधिक गौ चिकित्सालय सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से घायल और बीमार गोवंश का उपचार कर उन्हें नया जीवन दिया जा रहा है। उन्होंने श्रावक समाज से इस पुनीत कार्य में निरंतर सहयोग की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्म लाभ लिया।

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल का सर्वाइकल कैंसर से बचाव अभियान

एचपीवी वैक्सीन की बूस्टर डोज दी गई

कोटा. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब कोटा सेंट्रल द्वारा युवतियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षा प्रदान करने हेतु विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में क्लब द्वारा एचपीवी वैक्सीन की सेकंड बूस्टर डोज सफलतापूर्वक लगवाई गई। स्त्री शक्ति चेयरमैन मधु ललित बाहेती ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु टीकाकरण का यह पुनीत अभियान पूरे वर्ष निरंतर जारी है। ताजा चरण में, लायन राधा नवाल के विशेष सौजन्य से दो बालिकाओं को वैक्सीन की सेकंड बूस्टर डोज दी गई। यह टीकाकरण डॉ. निधि बरथुनिया द्वारा संपन्न किया गया। क्लब का मुख्य उद्देश्य समाज की युवतियों को इस घातक बीमारी के प्रति जागरूक करना और समय पर टीकाकरण सुनिश्चित कर उनके स्वस्थ भविष्य की नींव रखना है।

रिपोर्ट: आजाद शेरवानी

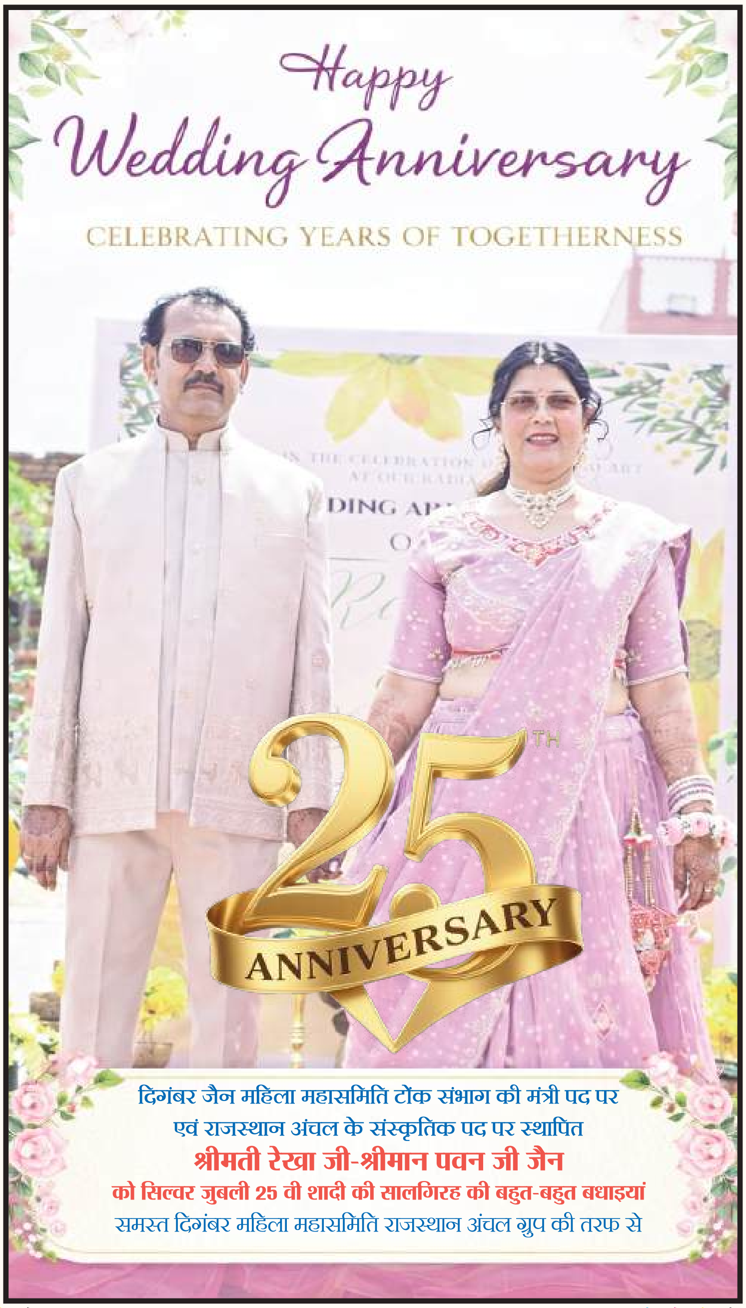

।। मूलनायक श्री श्री 1008 पार्श्वनाथाय नमः ।।

भगवन गुरुवर श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज

आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज

आमंत्रण पत्रिका

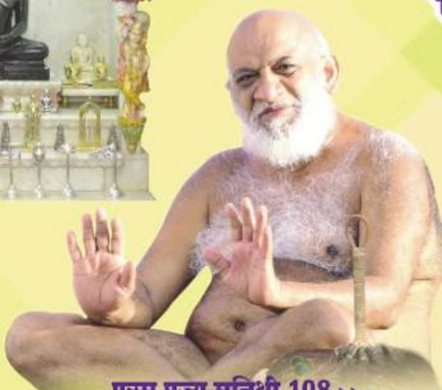

परम पूज्य मुनिश्री 108 निर्यापक सुधासागरजी महाराज

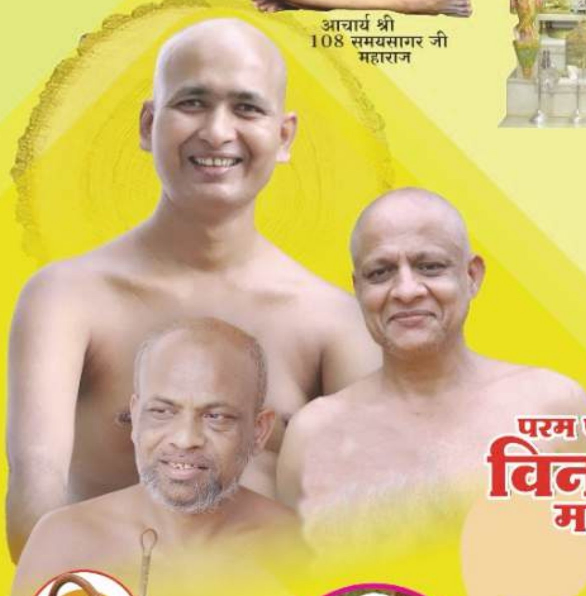

सान्निध्य..
परम पूज्य मुनिश्री 108 **विनम्रसागर जी महाराज ससंघ**

परम पूज्य मुनिश्री 108 प्रमाणसागरजी महाराज

।। जय जिनेंद्र ।।

गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्तिभूषण माताजी

भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह

दिनांक 25 मार्च, 2026 .. प्रातः 8:15

श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, ई-3, गोखले मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर

"मंगल भावना जब फलती है, तब भक्ति की राह निकलती है।"

अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि जयपुर के मुख्य केंद्र और समाज के प्रतिष्ठित वर्ग के हृदय स्थल सी-स्कीम स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, ई-3, गोखले मार्ग को अब एक अत्यंत भव्य और नूतन स्वरूप दिया जा रहा है। परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज एवं उनके परम्परागत शिष्य एवं नवाचार्य आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद तथा निर्यापक मुनिश्री 108 सुधासागर जी महाराज एवं मुनिश्री 108 प्रमाणसागर जी महाराज के पावन निर्देशन एवं गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्तिभूषणमति माताजी के मार्गदर्शन में, जिनके सन् 2022 में सी-स्कीम आगमन की मंगल भावना के प्रताप से यह कार्य सिद्ध हो रहा है।

वर्तमान में आचार्य श्री की मंगल देशना एवं उनके महत्वपूर्ण पलों को अपनी वाणी के माध्यम से जन-जन में अहिंसा की प्रभावना करने वाले युवा मुनिश्री 108 विनम्रसागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्र. अविनाश भैया "'भोपाल' के कुशल निर्देशन व वास्तुकार श्री चन्द्रशेखर जी जैन (विदिशा, म.प्र.), श्री तुषार जी सौगानी (जयपुर) की परिकल्पना के साथ यह मंगल कार्य संपन्न होगा।

इस नवनिर्मित जिनालय का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह बुधवार, दिनांक 25 मार्च, 2026 को आयोजित होने जा रहा है। सकल दिगम्बर जैन समाज, सी-स्कीम, जयपुर के भव्य पुण्योदय के इस ऐतिहासिक अवसर पर आप सभी धर्मानुरागी बंधु सादर आमन्त्रित हैं।

विनीत:
सकल दिगम्बर जैन समाज,
सी-स्कीम, जयपुर

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

प्रायोजक समाचार जगत

श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिग. जैन समाज समिति, जयपुर

द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर

एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 29 मार्च 2026
प्रातः 9 से 2 बजे तक

स्थान : केसर इंटरनेशनल एकेडमी सीनियर सैकेण्डरी स्कूल
केसर चौराहा, मुहाना मंडी रोड, मानसरोवर, जयपुर
7878659947, 9829034031

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिग. जैन समाज समिति
अध्यक्ष : अजय गोधा, मंत्री : विनय जैन
सं.मंत्री : विनीत जैन, कोषाध्यक्ष : भूपेंद्र जैन
श्री दिगम्बर जैन समाज सतिति दादूदयाल नगर मानसरोवर, जयपुर
संरक्षक : अजित कुमार सेठी, अध्यक्ष : सी.एम. जैन
उपाध्यक्ष : धन कुमार जैन, मंत्री : विनीत जैन छाबड़ा

: आयोजन समिति (जयपुर) :
मुख्य समन्वयक : दर्शन-विनीता बाकलीवाल
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक (जयपुर) ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फैडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, नि. अध्यक्ष : राजेश-सीमा बड़जात्या
सचिव : नीरज-रेखा जैन, कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, नि. अध्यक्ष : मनीष-शोभना लोंग्या
सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा, कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

प्रायोजक समाचार जगत

रोटरी क्लब जयपुर नोर्थ एवं भारतीय जैन मिलन, जयपुर
न्यू आतिश मार्केट एसोसिएशन, सन्नी मार्ट व्यापार मण्डल एवं नवकार किचन एण्ड इन्टीरियर

द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर

एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

शनिवार 28 मार्च 2026
प्रातः 9 से 1 बजे तक

स्थान : नवकार किचन एण्ड हार्डवेयर
शॉप नं. 22, सन्नी मार्ट, न्यू आतिश मार्केट, जयपुर
Contact : Anil Jain # 9530297446

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

रोटरी क्लब जयपुर नोर्थ
अध्यक्ष : अनिल जैन, सचिव : प्रतीक जैन
क्लब मैन्टोर : डॉ. अर्चना शर्मा
न्यू आतिश मार्केट एसोसिएशन : अध्यक्ष : विष्णु कूलवाल
सन्नी मार्ट व्यापार मण्डल : अध्यक्ष : सुरेश सिंह

: आयोजन समिति (जयपुर) :
मुख्य समन्वयक : दर्शन-विनीता बाकलीवाल
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक (जयपुर) ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फैडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, नि. अध्यक्ष : राजेश-सीमा बड़जात्या
सचिव : नीरज-रेखा जैन, कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, नि. अध्यक्ष : मनीष-शोभना लोंग्या
सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा, कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

मुख्य संयोजक : सुनीता जैन, अनिता जैन, महेश मंगल, तरुण जैन, रिषी जैन
संयोजक : अनिल-हेमा मण्डोत, विनायक शर्मा, कनिका शर्मा, अनिता बारदार, प्रगीत-प्रीती सोगाणी, प्रमोद-सोनल जैन, धनकुमार-अंजना जैन अंकित-रुचि खण्डेलवाल, प्रवीण जैन, राजेन्द्र गुप्ता, हार्दिक जैन, पीयूष जैन, अमित बिंदल, मुरलीधर प्रजापत, तनुज जैन, दिनेश गुप्ता, लक्ष्मण अड़वानी, नन्दकिशोर नरयानी, राहुल जैन, अजय जैन, प्रेरणा यादव, शुभम् माहेश्वरी, पण्डित देवेन्द्र शर्मा, संदीप गुप्ता, संजय इसरानी, अभय गुप्ता